भाद्रपद शुक्ल - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 43 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 05-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 गोल्फ खेलें और रनों की संख्या बढ़ाए : युवी की अनोखी सलाह

6 भाषाई अभद्रता के चरम पर भारतीय राजनीति

7 नहीं सोचा था कि मैं भावशून्य चेहरे से भी हंसा सकता हूं : मनोज बाजपेयी

फर्स्ट टेक

भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

वाराणसी (उप्र)/भाषा। भोजपुरी फिल्म अभिनेता और गायक पवन सिंह समेत चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न आरोपों में मामला दर्ज किया गया है। वाराणसी के कैंट थाने के प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि अदालत के आदेश पर बुधवार को यह मामला दर्ज किया गया है।
वाराणसी के व्यवसायी विशाल सिंह के वकील आशीष सिंह ने बताया कि साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉस' में निवेश के नाम पर उनके मुवक्किल के साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में विशाल की मुलाकात मुंबई में फिल्म निर्देशक प्रेम शंकर राय से हुई थी, जिसके बाद फिल्म बनाने के सिलसिले में उनकी कई लोगों से मुलाकात हुई। वकील ने बताया कि इस दौरान विशाल से फिल्म के निर्माण में निवेश करने का आग्रह किया गया और बदले में मुनाफे में हिस्सा देने का वादा किया गया।

अफगानिस्तान में भूकंप से अब तक 2,205 की मौत हुई : तालिबान

जलालाबाद/एपी। अफगानिस्तान में पिछले सप्ताह आए भूकंप में तबाह हुए घरों से सैकड़ों शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 2,200 से अधिक हो गई है। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रविवार रात आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई प्रांतों को हिला दिया, जिससे भारी तबाही हुई। भूकंप से कई गांव तबाह हो गए और लोग मिट्टी, कच्ची ईंटों और लकड़ी से बने मकानों के मलबे में दब गए, जो इस झटके को सहन नहीं कर पाए। ज्यादातर जान-माल की हानि कुनार में हुई है, जहां लोग ऊंचे पहाड़ों से घिरी नदी की घाटियों में रहते हैं। तालिबान के प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने बताया कि बचाव और खोज अभियान जारी हैं।

जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने तीसरी बार चुनाव में जीत हासिल की

किंग्स्टन (जमैका)/एपी। भ्रष्टाचार, असमानता और आर्थिक समस्याओं से त्रस्त जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने बृहस्पतिवार तड़के एक कड़े मुकाबले के बाद तीसरी बार चुनाव में जीत हासिल की। प्रारंभिक परिणामों से पता चला है कि होलनेस की जमैका लेबर पार्टी ने कम से कम 34 सीट जीती हैं, जबकि मार्क गोल्डिंग की विपक्षी पीपुल्स नेशनल पार्टी ने कम से कम 29 सीट पर जीत हासिल की है। गोल्डिंग ने एक संक्षिप्त भाषण में चुनावी हार स्वीकार करते हुए कहा कि वह नतीजों से निराश हैं।

05-09-2025 सूर्यास्त 6:17 बजे | 06-09-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE 80,718.01 (+150.30) | NSE 24,734.30 (+19.25)

सोना 10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 131,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भगवान में भेद

हम तो अब तक पढ़ते आए,
ईश्वर अल्लाह एक समान।
सर्व पूज्य है सभी देवगण,
राम कृष्ण गौतम हनुमान।
भिन्न भले हो धर्म जातियां,
हैं अभिन्न सबके भगवान।
मत के मतभेदों में उलझा,
बांट रहा इनको इंसान।।

जीएसटी 2.0 देश की वृद्धि के लिए खुराक, अब नहीं थमेंगे अगली पीढ़ी के सुधार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को जीएसटी व्यवस्था में किए गए व्यापक सुधारों (जीएसटी 2.0) को राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि की 'दोहरी खुराक' करार देते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की शृंखला अब नहीं थमेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद में कहा कि उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से यह वादा किया था कि दिवाली और छठ पूजा से पहले देशवासियों को 'डबल धमाका' मिलेगा। उन्होंने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था अब अधिक सरल हो गई है और नई कर दरें 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से लागू हो जाएंगी।

प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी जीएसटी परिषद की बैठक में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के स्लैब को चार से घटाकर दो स्लैब पर लाने और दैनिक उपभोग वाली अधिकांश वस्तुओं को पांच प्रतिशत के स्लैब में लाने के फैसले के एक दिन बाद आई है।

जीएसटी परिषद ने अब सिर्फ पांच एवं 18 प्रतिशत की दो कर दरें ही रखने का फैसला किया है जबकि विलासिता एवं अहितकर उत्पादों को 40 प्रतिशत के विशेष कर दायरे में रखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारों के दौर में आम घर-परिवार और खेती-किसानी से जुड़ी वस्तुओं या दवाओं पर भी भारी कर लगाया जाता था। उन्होंने कहा, अगर वह व्यवस्था जारी रहती तो हर 100 रुपये की खरीद पर 20-25 रुपये का कर देना पड़ता। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आम लोगों की जेब में अधिक पैसा बचे और उनका जीवन बेहतर बने। उन्होंने कहा, जीएसटी 2.0 राष्ट्र को समर्थन और वृद्धि की दोहरी खुराक है। 21वीं सदी में भारत की प्रगति को समर्थन देने के लिए अगली पीढ़ी के ये सुधार किए गए हैं। जीएसटी सुधारों से भारत की सशक्त अर्थव्यवस्था में पांच नए रत्न जुड़े हैं।

गेमिंग बुरी नहीं, जुआ बुरा है, युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने की जरूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि गेमिंग बुरी चीज नहीं है, लेकिन जुआ खेलना बुरी चीज है और युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत वैश्विक ऑनलाइन गेमिंग बाजार पर हावी हो सकता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ बातचीत में कहा कि ऑनलाइन गेमिंग बाजार में रोजगार के बड़े अवसर हैं। उन्होंने कहा, अगर सही तरीके से काम किया जाए तो भारत वैश्विक ऑनलाइन गेमिंग बाजार पर अपना दबदबा बना सकता है, इसमें रोजगार के भी बड़े अवसर हैं। गेमिंग बुरी चीज नहीं है, लेकिन जुआ बुरा है। हमारे युवाओं का भविष्य सुरक्षित होना चाहिए।

डीआरडीओ ने तीन आधुनिक सामग्री प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण किया

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने उद्योग भागीदारों को तीन उन्नत पदार्थ प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत ने हाल में एक कार्यक्रम में उद्योग भागीदारों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हेतु लाइसेंसिंग समझौते (एलएटीओटी) के दस्तावेज सौंपे। मंत्रालय ने बताया कि हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) ने उद्योग भागीदारों को तीन उन्नत सामग्री प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की हैं। डीआरडीओ के सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करते हुए, ब्यूरो की गतिविधियों में सहयोग के लिए प्रयोगशाला के अनुभव, सुविधाओं और क्षमताओं का उपयोग करने हेतु डीएमआरएल और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

भारत, चीन जैसे देशों पर उपनिवेशकालीन दबाव की नीति अपनाने पर पुतिन ने ट्रंप की निंदा की

ट्रंप में समझ की कमी : पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत और चीन जैसी ''सशक्त अर्थव्यवस्थाओं'' के खिलाफ उपनिवेशकालीन दौर की दबाव बनाने वाली रणनीति अपनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निंदा की है। पुतिन ने यह भी कहा है कि साझेदार देशों के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। चीन की विजय परेड में भाग लेने यहां पहुंचे पुतिन ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत और चीन जैसे भारी जनसंख्या वाले शक्तिशाली देशों की अपनी घरेलू राजनीतिक प्रणाली और कानून हैं।

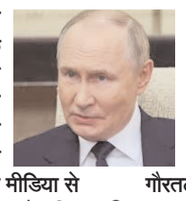

पुतिन ने कहा, जब कोई आपसे कहता है कि वह आपको सजा देगा, तो आपको यह सोचना चाहिए कि इन बड़े देशों के नेता, जिनका इतिहास भी कठिन दौरों से गुजरा है, कैसे प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने कहा कि इन देशों को लंबे समय तक उपनिवेशवादियों और उनकी संप्रभुता पर हमलों का सामना करना पड़ा है। पुतिन ने कहा, आपको यह समझना चाहिए कि अगर इनमें से कोई एक भी कमजोरी दिखाता है, तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है और यही बात उनके व्यवहार को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा, उपनिवेश युग समाप्त हो चुका है। उन्हें यह समझना चाहिए कि वे अपने साझेदारों से बातचीत में अब उस भाषा का प्रयोग नहीं कर सकते। पुतिन ने ट्रंप पर आरोप लगाया कि उनमें इन देशों और उनके नेताओं के बारे में समझ की कमी है।

गौरतलब है कि ट्रंप ने भारत को निशाना बनाते हुए रूस से तेल खरीदने पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुरुआत में चीन पर 145 प्रतिशत शुल्क लगाया, लेकिन बाद में उसे कम करके एक अंतरिम समझौता किया, जिसके तहत चीनी सामानों पर शुल्क 145 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया, जबकि अमेरिकी सामानों पर चीन का शुल्क 125 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत किया गया।

उद्योग उपभोक्ताओं तक पहुंचाए जीएसटी सुधारों का लाभ : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को बृहस्पतिवार को ''परिवर्तनकारी'' एवं आजादी के बाद का ''सबसे बड़ा सुधार'' करार दिया और उद्योग जगत से इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया।

मंत्री ने कहा कि जीएसटी सुधारों से करीब सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी और देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा। उन्होंने उद्योग जगत से 'मेड इन इंडिया' को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने का भी आह्वान किया।

गोयल ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी में कमी से हर उपभोक्ता को लाभ होगा। उन्होंने कहा, पिछले 11 वर्ष में की गई कई पहल के फलस्वरूप कल जीएसटी में अप्रत्यक्ष करों में जो सुधार किया गया...वह परिवर्तनकारी है। इसका दवा क्षेत्र पर तथा किसानों से लेकर हमारे एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) तक विभिन्न क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण प्रभाव होगा।

गोयल ने कहा, देश के प्रत्येक हितधारक, प्रत्येक उपभोक्ता को इसका लाभ मिलेगा। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों को '' बड़ा बदलाव '' बताते हुए मंत्री ने कहा कि यह कदम 2047 तक विकसित देश बनने की यात्रा में आने वाले महीनों व वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गोयल ने उद्योग जगत से '' जीएसटी के सभी लाभों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने'' का आग्रह किया।

दौरा

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को पंजाब के अमृतसर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, जहां उन्होंने प्रभावित किसानों से बातचीत की।

अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने शिखर धवन से पूछताछ की

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन बृहस्पतिवार को एक कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनसे लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की गई। वह मध्य दिल्ली स्थित निदेशालय के कार्यालय में सुबह 11 बजे पहुंचे और शाम 7 बजे के बाद वहां से निकले। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ने 'वन एक्स बेट' नामक एक अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़ी इस जांच के तहत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया। ऐसा माना जा रहा है कि 39 वर्षीय पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के ज़रिए इस ऐप से जुड़े हैं। ईडी पूछताछ के दौरान इस ऐप से उनके संबंधों को समझना चाहता है। एजेंसी अवैध सट्टेबाजी ऐप्स से जुड़े ऐसे कई मामलों की जांच कर रही है जिन पर कई लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने या भारी कर चोरी का आरोप है।

भारत और सिंगापुर ने वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटने की प्रतिबद्धता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दोनों पक्षों ने पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए जो विमानन, कौशल विकास, हरित और डिजिटल नौवहन, अंतरिक्ष और डिजिटल परिसंपत्ति नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। भारत और सिंगापुर ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके सिंगापुरी समकक्ष लॉरेंस वोंग की मौजूदगी में अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए एक रोडमैप का अनावरण किया, जिसमें दुनिया में मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

अपनी वार्ता के दौरान मोदी और वोंग ने उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, हरित नौवहन, कौशल विकास, असैन्य परमाणु ऊर्जा, विमानन और रक्षा तथा सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें मानवरहित जहाजों के विकास में संभावित सहयोग भी शामिल है।

दोनों पक्षों ने पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए जो विमानन, कौशल विकास, हरित और डिजिटल नौवहन, अंतरिक्ष और डिजिटल परिसंपत्ति नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करेंगे, जिसमें अगली पीढ़ी के वित्तीय बुनियादी ढांचे का विकास भी शामिल है।

वोंग एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मंगलवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे थे। प्रधानमंत्री के रूप में यह भारत की उनकी पहली यात्रा है।

सिंगापुर के साथ भारत के संबंधों को महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि यह देश भारत में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है, जो देश के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह का लगभग एक चौथाई हिस्सा है।

हरित नौवहन पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) से हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) की स्थापना पर सहयोग में सुविधा होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय से कहा

अगर न्यायाधीश शुल्क को वैध नहीं मानते तो अमेरिका 'आर्थिक तबाही के कगार' पर होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय से शुल्क पर त्वरित और निर्णायक निर्णय का अनुरोध किया है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका के प्रतिद्वंद्वियों और सहयोगियों पर उनके द्वारा लगाए गए आयात शुल्क के बिना देश आर्थिक तबाही के कगार पर होगा।

ट्रंप प्रशासन ने उच्चतम न्याायलय में दाखिल दस्तावेजों में जिस तरह आर्थिक तबाही जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है, वे बेहद असामान्य हैं। बुधवार देर रात, उसने न्यायाधीशों से अपीली अदालत के उस फैसले में हस्तक्षेप करने और उसे पलटने का अनुरोध किया, जिसमें कहा गया था कि ट्रंप के ज़्यादातर शुल्क आपातकालीन शक्तियों वाले क़ानून का अवैध इस्तेमाल हैं। फ़िलहाल, ये शुल्क लागू रहेंगे।

शुल्क और उनके अनियमित क्रियान्वयन ने वैश्विक बाजारों को हिलाकर रख दिया है, अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों और सहयोगियों को अलग-थलग कर दिया है, तथा ऊंची कीमतों और धीमी आर्थिक वृद्धि की आशंकाएं बढ़ा दी हैं।

राष्ट्रपति ने शुल्क का इस्तेमाल यूरोपीय संघ, जापान और अन्य देशों पर नए समझौते स्वीकार करने के लिए दबाव बनाने के लिए भी किया है। अगस्त के अंत तक शुल्क से राजस्व कुल 159 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी समय की तुलना में दोगुने से भी ज़्यादा है।

भारत ने मलेशिया को 4-1 से हराया, एशिया कप फाइनल के करीब पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सुपर 4 चरण के अपने दूसरे मैच में मलेशिया को 4-1 से हरा दिया।

भारतीय टीम ने धीमी शुरुआत की जबकि शफीक हसन ने दूसरे ही मिनट में मलेशिया को बढ़त दिला दी लेकिन मेजबान टीम ने शानदार वापसी की। मनप्रीत सिंह (17वें मिनट), सुखजीत सिंह (19वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (24वें मिनट) और विवेक सागर प्रसाद (38वें मिनट) ने भारत के लिए गोल किए। भारत ने बुधवार को अपने पहले सुपर 4 मैच में कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला था।

इस जीत से भारत दो मैच में चार अंक के साथ सुपर 4 तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। वह चीन और मलेशिया से आगे है जिनके तीन-तीन अंक हैं जबकि गत चैंपियन कोरिया केवल एक अंक के साथ अंतिम स्थान पर है।

शुक्रवार को विश्राम के बाद भारत शनिवार को सुपर 4 के अपने अंतिम मैच में चीन से भिड़ेगा जबकि मलेशिया का सामना कोरिया से होगा। रविवार को होने वाले फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए भारत को चीन के खिलाफ सिर्फ ड्रॉ की आवश्यकता है।

मलेशिया बृहस्पतिवार को अपने दो मुख्य खिलाड़ियों के बिना खेला। पिछले मैच में चीनी खिलाड़ियों के साथ मैदान पर हुई झड़प के बाद अनुशासनहीनता के कारण फितरी सारी को मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था। अबू कमाल अजराई भी भारत के खिलाफ नहीं खेले।

भारत को दूसरे ही मिनट में झटका लगा जब मलेशिया ने हसन के गोल से बढ़त बना ली। मलेशियाई खिलाड़ी हसन ने संजय और जुगराज सिंह को चकमा देकर अपनी रिवर्स स्टिक से गेंद को गोल में पहुंचा दिया। पहले क्वार्टर में भारतीय रक्षा पंक्ति थोड़ी कमजोर दिखी लेकिन उसने कोई और गोल नहीं खाया।

शुरुआती हमले को छोड़कर भारत ने पहले क्वार्टर में गेंद पर कब्जा और मौकों के मामले में दबदबा बनाए रखा।

भारत ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और दूसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनट में लगातार पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जिनमें से आखिरी को मनप्रीत ने गोल में बदला। मनप्रीत ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के फ्लिक को हाफिजुद्दीन ओथमान द्वारा बचाए जाने के बाद रिबाउंड से गोल किया।

भारतीय खिलाड़ियों ने फिर जोरदार हमले किए और दो मिनट बाद उनके प्रयास रंग लाए।

शिलानंद से मिले पास पर सुखजीत ने नजदीक से गोल दागा।

इस बढ़त के बाद भारतीय खिलाड़ी अलग नजर आए और उन्होंने मलेशियाई गोल पर लगातार हमले करते रहे। भारत ने जल्द ही शिलानंद के जरिए स्कोर 3-1 कर दिया। हार्दिक सिंह ने दिलप्रीत सिंह को पास दिया और शिलानंद ने मलेशियाई गोलकीपर के पास से इसे डिफ्लेक्ट कर दिया।

'समाज में नकारात्मकता के प्रसार को रोकने के लिए एकजुट प्रयास की आवश्यकता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

'नकारात्मकता के विरुद्ध भारत' के 11वें स्थापना दिवस पर हुई सार्थक चर्चा

भुवनेश्वर। शहर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी व सोशल साइंस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत द्वारा प्रारंभ किए गए 'इंडिया अगेंस्ट नेगेटिविटी' (आईएएन) अभियान का 11वां स्थापना दिवस गत दिनों भुवनेश्वर के एक होटल में मनाया गया जिसमें देश के विभिन्न शहरों ने जाने माने वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित थे। संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने सभी का स्वागत किया तथा कहा कि भारत से नकारात्मक को दूर करने के लिए हम सभी को एक साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि समाज में नकारात्मकता बढ़ने से पहले ही उसे रोका जाना चाहिए। इससे समाज को कोई लाभ नहीं होगा, इसके लिए एक ठोस प्रयास की आवश्यकता है।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने स्थापना कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि आईएएन के 11वें स्थापना दिवस समारोह का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं को हमारे समाज में व्याप्त नकारात्मकता पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने भारत परिवेश में नकारात्मक को बहुत खतरनाक बताते हुए देश में सकारात्मक वातावरण को बढ़ाना है।

इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित ऑर्गेनाइज़र के प्रधान संपादक प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि सबसे बड़ी नकारात्मकता मातृभाषा में बोलने, बात करने व संवादर करने में झिझक है। हमारी शिक्षा प्रणाली अभी तक औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर नहीं आई है। जब हम अपने संस्थानों को भूल जाते हैं तो नकारात्मकता फैलती है। उन्होंने कहा, नकारात्मकता के विरुद्ध भारत को अपने दायरे से आगे बढ़कर सकारात्मकता के लिए भारत बनना होगा। उन्होंने कहा कि नकारात्मकता को दूर करने के लिए सबसे पहले हमें अपने आप पर विश्वास करना शुरू करना होगा।

वर्चुअल रूप से बोलते हुए, सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश, कर्नाटक के सेवानिवृत्त लोकायुक्त तथा आईएएन सलाहकार बोर्ड के सदस्य एन संतोष हेगड़े ने कहा कि डॉ. सामंत द्वारा शुरू की गई इस नकारात्मकता के विरुद्ध भारत पहल का एक विशाल आयाम है। सामंत, जो आदिवासी लोगों को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं, ने उन्हें सकारात्मकता फैलाने वाली बताया। भारत में रवांडा की उद्यायुक्त जैकलीन मुकंगीरा ने कहा कि हमें महात्मा गांधी से अहिंसा विरासत में मिली है। अहिंसा मानवीय गरिमा की रक्षा का एक अच्छा तरीका है।

जीएसटी विभाग नए कर ढांचे के सुचारू क्रियान्वयन के लिए उद्योग से कर रहा समन्वयः सीबीआईसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि जीएसटी विभाग 22 सितंबर से लागू होने वाले नए कर ढांचे को सुचारू ढंग से लागू करने के लिए उद्योग जगत के साथ मिलकर सॉफ्टवेयर उन्नत बनाने पर काम कर रहा है।

अग्रवाल ने यह भी कहा कि उद्योगों को उन वस्तुओं पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) जमा होने को लेकर चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, जिन पर कर की दरों में कटौती की गई है। वे इस संचित आईटीसी का इस्तेमाल कर के भुगतान में कर सकेंगे। जीएसटी परिषद ने बुधवार को आम सहमति से माल एवं सेवा कर में व्यापक सुधारों को मंजूरी दी। परिषद ने पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय कर संरचना को मंजूरी दी है। इसके अलावा, लक्जरी और अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत कर लगाने का निर्णय किया गया है। नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी। अग्रवाल ने साक्षात्कार में कहा, दरों में कई बदलाव हुए हैं। 40 प्रतिशत की एक नई दर लागू की गई है। हमें विश्वास है कि हमारे पास उपलब्ध करीब दो सप्ताह के समय में हम नए शुल्कों और नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि जीएसटी विभाग ने पहले ही उद्योग जगत से संपर्क कर लिया है और उन्हें सूचित कर दिया है ताकि वे भी अपनी जीएसटी संबंधी प्रणालियों को उन्नत कर सकें। अग्रवाल ने कहा, वे (उद्योग जगत) इन बदलावों को अपने एकीकृत सॉफ्टवेयर प्रणालियों में भी शामिल कर सकते हैं, ताकि शुरुआत सुचारू रूप से हो और इसमें कोई गड़बड़ी न हो। हमें इस बात का पूरा भरोसा है। फंसे आईटीसी से जुड़ी उद्योग की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा कि ऐसी वस्तुओं के वितरक इनपुट (कच्चे माल) पर करों का भुगतान जिस भी दर पर करते हैं, उस पर पूरा आईटीसी प्राप्त करने के हकदार होंगे। अग्रवाल ने कहा, जब वे 22 सितंबर से सामान बेचेंगे या आपूर्ति करेंगे, तो नई दरें लागू होंगी। तब वे आईटीसी का उपयोग कर सकेंगे। यह उन्हें रिटर्न दाखिल करते समय शुल्क भुगतान के लिए उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि आईटीसी शायद बहुत कम समय के लिए संचित होगा और उसके बाद यह फिर से सुचारू हो जाएगा।

ई-रिक्शा के लिए भी भारत-एनकैप जैसा सुरक्षा मानक लाने पर विचारः गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहसपतिवार को कहा कि सरकार देश में सड़क सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए ई-रिक्शा के लिए भी 'भारत एनकैप' की तर्ज पर सुरक्षा मानक लाने पर विचार कर रही है।

गडकरी ने फिक्की सड़क सुरक्षा पुरस्कार एवं संगोष्ठी के सातवें संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार के लिए एक अहम मुद्दा है। उन्होंने कहा, देश में हर साल करीब पांच लाख सड़क हादसे होते हैं, जिनमें 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। इनमें से 66.4 प्रतिशत मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र वाले लोगों की होती हैं। उन्होंने सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने और घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने की जरूरत पर बल दिया। गडकरी ने इस प्रयास में ई-रिक्शा को सुरक्षित बनाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, ई-रिक्शा की संख्या देश में बहुत अधिक है। हम देख रहे हैं कि किस तरह इनके लिए सुरक्षा मानकों में सुधार किया जा सकता है। हम ई-रिक्शा के लिए भी भारत-एनकैप जैसे सुरक्षा मानक लाने जा रहे हैं। उन्होंने चार-पहिया वाहनों के लिए सुरक्षा मानकों को बेहतर करने के इरादे से वर्ष 2023 में 'भारत-एनकैप' सुरक्षा मानक की शुरुआत की थी।

देश में जीएसटी सुधारों से उत्साह, किसी ने कांग्रेस को ऐसा करने से नहीं रोका थाः भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को जीएसटी सुधारों को एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि इससे समाज के हर वर्ग को लाभ होगा। साथ ही पार्टी ने कांग्रेस के इस दावे पर भी पलटवार किया कि वह करों को युक्तिसंगत बनाने की कोशिश कर रही थी।

भाजपा ने कहा कि कांग्रेस के लंबे कार्यकाल में किसी ने भी उसे एकीकृत अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू करने से नहीं रोका था। कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा यह उल्लेख किए जाने पर कि उनके नेता राहुल गांधी लंबे समय से जीएसटी परिषद द्वारा घोषित द्वि-स्तरीय कर ढांचे की वकालत कर रहे थे, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि वह ''ला ला लैंड'' (स्वप्नलोक) में जी रहे हैं और इससे उनकी पार्टी को कोई लाभ नहीं होने वाला है।

पात्रा ने संवाददाताओं से कहा, 2014 से पहले राहुल गांधी और उनकी पार्टी को जीएसटी लागू करने से किसने रोका था? यह उनकी अपनी अक्षमता को दर्शाता है। उन्होंने घरेलू सामान से लेकर कृषि क्षेत्र के उत्पादों और चिकित्सा उत्पादों तक कई वस्तुओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो इन सभी पर प्रस्तावित करों की तुलना में बहुत अधिक वैट (मूल्य वर्धित कर) लगाया जाता था। पात्रा ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक देश पर शासन किया और उसके पास जटिल कर व्यवस्था को सरल बनाने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने का अवसर था, लेकिन उसके पास साहस और इरादे की कमी थी। उन्होंने कहा कि नवरात्र के पहले दिन (22 सितंबर) से जीएसटी की दरों में कटौती से देश में 'उत्साह' का माहौल है और इससे सभी के चेहरों पर मुस्कान आ गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए पात्रा ने कहा कि उनकी सरकार ने जीएसटी लागू करने के लिए सभी राज्यों में आम सहमति बनाने की मंशा, साहस और लोकतांत्रिक भावना दिखाई है, जबकि कांग्रेस केवल चर्चा और बहस ही कर सकती थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह दावा स्वाधीनता के बाद से उसके 'गरीबी हटाओ' के नारे जैसा है, लेकिन उसकी सरकारें कभी गरीबी नहीं हटा सकीं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस मानती है कि गांधी परिवार के कारण ही सूर्य और चंद्रमा उगते हैं और उनके बिना भारत का कोई अस्तित्व नहीं होता। ओडिशा में पुरी के सांसद ने कहा कि जब देश खुशियों से भरा होता है, चाहे वह राम मंदिर निर्माण हो, अनुच्छेद 370 को हटाना हो या अब जीएसटी सुधार, तब शोक मनाना कांग्रेस की मानसिकता है।

पात्रा ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की इस आलोचना पर भी निशाना साधा कि बुधवार को सुधारों की घोषणा करने वाली जीएसटी परिषद एक औपचारिकता बनकर रह गई क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में ही इन उपायों का सार बता दिया था। भाजपा नेता ने कहा कि मनमोहन सिंह के विपरीत, मोदी एक 'एक्सीडेंटल' प्रधानमंत्री नहीं हैं, बल्कि काम करने वाले प्रधानमंत्री हैं और यह स्वाभाविक है कि वह अपना दृष्टिकोण सामने रखेंगे जिसे सरकार लागू करेगी।

मतदाता सूची में सोनिया गांधी का नाम शामिल करने को लेकर जालसाजी का आरोप, जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मंगलवार को एक याचिका दायर की गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनका नाम भारतीय नागरिक बनने से तीन साल पहले मतदाता सूची में शामिल किया गया था।

बीएनएसएस की धारा 175 (4) (मजिस्ट्रेट जांच का आदेश देने की शक्ति) के तहत अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया के समक्ष आवेदन में पुलिस को इस आरोप की जांच का निर्देश दिए जाने का आग्रह किया गया है कि गांधी 1983 में भारतीय नागरिक बनी थीं, लेकिन उनका नाम 1980 की मतदाता सूची में था। शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पवन नारंग ने दलील दी कि कुछ दस्तावेज के अनुसार यह स्पष्ट है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल, 1983 को नागरिकता ली थी। नारंग ने कहा, नाम हटाने का कारण कहीं नहीं मिल रहा है। इसके दो कारण हो सकते हैं, या तो कोई व्यक्ति किसी दूसरे देश की नागरिकता ले ले या फॉर्म 8 (ब्योरे में सुधार के लिए आवेदन) दाखिल करे, लेकिन शर्त यह है कि व्यक्ति वहां का नागरिक हो।

उन्होंने पूछा, 1980 में जब उनका नाम सूची में शामिल किया गया तो निर्वाचन आयोग को कौन से दस्तावेज दिए गए थे?''

नारंग ने दावा किया कि इसमें ''कुछ जालसाजी'' हुई है और एक सार्वजनिक प्राधिकार को ''धोखा'' दिया गया है। उन्होंने कहा, मेरा सीमित अनुरोध है कि पुलिस को उचित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया जाए। प्राथमिकी बनती है या नहीं, यह पुलिस का अधिकारक्षेत्र है। नारंग ने कहा कि अंतरिम अवधि में पुलिस को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया जा सकता है। अदालत ने मामले की सुनवाई 10 सितंबर के लिए स्थगित कर दी।

मराठा आरक्षण जीआर से ओबीसी पर असर नहीं पड़ेगा : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के आंदोलन के बाद आरक्षण पर उनकी सरकार के कदम से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को किसी भी तरह के अन्याय का सामना नहीं करना पड़ेगा।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठा समुदाय के सदस्यों को उनकी कुनबी विरासत के ऐतिहासिक साक्ष्य के साथ कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा के बाद मंगलवार को जरांगे ने यहां आजाद मैदान में अपना पांच दिवसीय अनशन समाप्त कर दिया था। मराठा समुदाय को राज्य में ओबीसी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। फडणवीस ने कहा, हैदराबाद गजट के कार्यान्वयन के संबंध में जारी सरकारी प्रस्ताव के कारण अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ कोई अन्याय नहीं होगा। उन्होंने मंत्रिमंडल के अपने सहयोगी एवं राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल से बात की है, जिन्होंने बुधवार को पात्र मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने में तेजी लाने के लिए जारी किए गए जीआर पर खुले तौर पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी।

जीएसटी सुधार नागरिकों को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से बंपर उपहार : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को जीएसटी सुधारों की सराहना करते हुए इसे दुर्गा पूजा और दिवाली जैसे त्योहारों से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नागरिकों को दिया गया ''बंपर उपहार'' बताया। उन्होंने जीएसटी परिषद द्वारा उठाए गए कदमों में खामियां निकालने के लिए कांग्रेस की आलोचना भी की और कहा कि यह विपक्षी पार्टी के दोहरे मानदंडों को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी उन फैसलों का विरोध करते हैं जिनका समर्थन उनकी पार्टी शासित राज्य सरकारों के वित्त मंत्रियों द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद के सभी निर्णय आम सहमति से लिए गए हैं।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संप्रग सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भी लागू नहीं कर पाई क्योंकि राज्यों को उस पर भरोसा नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इसके विपरीत, उस समय कांग्रेस ने मूल्य वर्धित कर (वैट) के जरिए गरीबों और व्यापारियों को लूटा और कर चोरी की भरपूर गुंजाइश छोड़ी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2017 में जीएसटी लागू करके 'एक राष्ट्र एक कर' की अवधारणा को साकार किया। जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी में व्यापक सुधारों की घोषणा की, जिसमें 28 प्रतिशत और 12 प्रतिशत के कर स्लैब को हटा दिया गया और केवल पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब रखे गए। नड्डा ने कहा कि कई आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी शून्य कर दिया गया है और कई अन्य उत्पादों पर इसे काफी घटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में जीएसटी सुधारों की मंशा व्यक्त की थी और अब जीएसटी परिषद ने यह ऐतिहासिक कदम उठाया है।

जीएसटी 2.0 भारतीय अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क से निपटने में करेगा मददः उद्योग जगत

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने का कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के वृद्धि के चक्र को बढ़ावा देने के साथ ही अमेरिकी शुल्क का सामना करने में मदद करेगा। उद्योग जगत से जुड़े लोगों ने यह बात कही। जीएसटी परिषद ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की पांच और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय दर संरचना को बुधवार को मंजूरी दी जो 22 सितंबर से लागू होगी। हिंदुजा ग्रुप ऑफ कंपनीज (इंडिया) के चेयरमैन अशोक पी हिंदुजा ने कहा कि जीएसटी दर में कटौती ने अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर कदम है जो जमीनी स्तर पर मांग को दूर करके भारत की व्यापक आर्थिक स्थिरता का समर्थन करेगा।

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि खपत को बढ़ावा देने और निवेश करने के लिए ऐसे अधिक सुधारों की वकालत की। अधिक और तेजी से सुधार खपत एवं निवेश को उजागर करने का सबसे सुरक्षित तरीका हैं। वे बदले में, अर्थव्यवस्था का विस्तार करेंगे और दुनिया में भारत की आवाज को बुलंद करेंगे।

सैन्य प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग हुए कैडेटों के लिए ईसीएचएस सुविधाः केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को आश्वासन दिया कि वह प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांगता के कारण सैन्य संस्थानों से निकाले गए कैडेटों को 'पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना' (ईसीएचएस) के तहत चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करेगा।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सूचित किया कि 29 अगस्त से ऐसे सभी कैडेटों को ईसीएचएस योजना में शामिल कर लिया गया है। भाटी ने बताया कि उनके लिए एकमुश्त सदस्यता शुल्क भी माफ कर दिया गया है। इस दलील पर गौर करते हुए शीर्ष अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि पंजीकरण 15 सितंबर तक पूरा कर लिया जाए। इसने साथ ही इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता रेखा पल्ली को न्यायमित्र नियुक्त किया। पीठ ने कहा, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के सैनिक कल्याण विभाग ने सभी दिव्यांग 'आउटबोर्ड कैडेटों' को ईसीएचएस के रूप में चिकित्सा सुविधा प्रदान की है, जिसके लिए कोई सदस्यता शुल्क नहीं लिया जाता। वर्तमान में अधिकारियों द्वारा देय 1,20,000 रुपए का एकमुश्त सदस्यता शुल्क ऐसे दिव्यांग/आउटबोर्ड कैडेटों से नहीं लिया जाता। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह सराहनीय है। मौद्रिक लाभ के मुद्दे पर, न्यायालय ने 2017 से प्रभावी अनुग्रह राशि पर ध्यान दिया तथा इसे बढ़ाने का आह्वान किया, विशेष रूप से मुद्रास्फीति और मूल्य वृद्धि की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए। वर्तमान में लागू बीमा योजना के संबंध में शीर्ष अदालत ने कहा कि यह पर्याप्त नहीं हो सकती। इसने कहा कि 'आउटबोर्डेड' कैडेटों के लिए बीमा कवर बढ़ाने के प्रयास किए जा सकते हैं। न्यायालय ने कहा कि पुनर्वास के उद्देश्य से 'आउटबोर्डेड' कैडेटों का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए और केंद्र को चिकित्सा पुनर्मूल्यांकन के लिए योजना तैयार करनी चाहिए।

श्रीनगर में बाढ़ग्रस्त इलाकों से 200 परिवारों को निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से करीब 200 परिवारों को सुरक्षित निकाला गया। इस बीच, बृहस्पतिवार को झेलम का जलस्तर घटने से घाटी के अन्य हिस्सों में बाढ़ का खतरा कुछ कम हुआ है। पुलिस के एक प्रवक्ता के अनुसार, जिला पुलिस ने फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया समूहों का गठन किया हैं। उन्होंने कहा, शहर के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति और भारी जलभराव को देखते हुए श्रीनगर पुलिस ने राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और नदी पुलिस के सहयोग से व्यापक निकासी और पुनर्वास योजना शुरू की है, ताकि प्रभावित नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रवक्ता के अनुसार, संबंधित थाना क्षेत्रों की टीम, नदी पुलिस और एसडीआरएफ इकाइयों के साथ मिलकर कई संवेदनशील स्थानों पर तैनात की गईं। इन समूहों ने गंभीर रूप से प्रभावित इलाकों से लगभग 200 परिवारों और व्यक्तियों को निकाला और उन्हें अन्य जगहों पर ले जाया गया। इनमें पीरजो द्वीप और बसंत बाग से निकाले गए 24 परिवार भी शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि बोनीयारबल, एस.आर. गंज, मलिक साहिब, सफाकदल, पंपोश कॉलोनी, नूरबाग, गुजरबल और मदनयार फतेह कदल से 39 परिवारों को निकाला गया। उन्होंने कहा, करीब 20 परिवारों और व्यक्तियों को देदी कदल, हब्बा कदल, जैनदर मोहल्ला, टंकीपोरा, करन नगर, कुरसू, इकबाल कॉलोनी और अरमवारी से निकाला गया, जबकि 20 परिवारों को टेलबल और हजरतबल के संवेदनशील इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। 63 व्यक्तियों को पंजीनारा-मुजगुंड, बंड साइड, मल्लूरा बंड, ख्वाजा बाग बंड, परिमपोरा बंड, बिलाल कॉलोनी बंड, क़मरवारी, रामपोरा छत्ताबल बंड, जेनपोरा और टेंगन से निकाला गया। प्रवक्ता ने बताया कि निकासी प्रयासों के साथ-साथ पुलिस ने तटबंधों में संभावित दरारों की पहचान कर उन्हें बंद किया, जिससे स्थिति बिगड़ने से रोकी जा सकी।

सरकार ने चांदी के गहनों की स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक सितंबर से चांदी के गहनों और अन्य वस्तुओं के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू की गई है। इससे उपभोक्ताओं के लिए धातु की शुद्धता सुनिश्चित करने को लेकर एक डिजिटल पहचान प्रणाली लागू की जाएगी।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने आईएस 2112:2025 के प्रकाशन के साथ अपने हॉलमार्किंग मानक को संशोधित किया है। यह पहले के आईएस 2112:2014 संस्करण का स्थान लेगा। इस संशोधन के साथ चांदी के आभूषणों और अन्य वस्तुओं के लिए हॉलमार्किंग विशिष्ट पहचान (एचयूआईडी)-आधारित हॉलमार्किंग शुरू की गई है। इससे पता लगाने की क्षमता में वृद्धि हुई है और यह मौजूदा स्वर्ण हॉलमार्किंग प्रणाली के अनुरूप है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नई प्रणाली के तहत, उपभोक्ता बीआईएस केयर मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके एक सितंबर, 2025 के बाद हॉलमार्क किए गए चांदी के आभूषणों के प्रकार, शुद्धता ग्रेड, हॉलमार्किंग तिथि, परीक्षण केंद्र का विवरण और जौहरी पंजीकरण संख्या की पहचान कर सकते हैं।

संशोधित मानक में सात शुद्धता ग्रेड... 800, 835, 925, 958, 970, 990 और 999... शामिल किए गए हैं। इनमें 958 और 999 ग्रेड नए जोड़े गए हैं।

एनआईआरएफ रैंकिंग में लगातार सातवें वर्ष शीर्ष पर रहा आईआईटी मद्रास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास ने लगातार सातवें वर्ष एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है जबकि भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलूरु लगातार दसवें वर्ष सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय रहा। शिक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। आईआईएससी बेंगलूरु ने समग्र श्रेणी में दूसरा स्थान बरकरार रखा है, इसके बाद आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी दिल्ली ने भी अपना-अपना स्थान बरकरार रखा। विश्वविद्यालयों में, आईआईएससी बेंगलूरु ने शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दूसरे स्थान पर रहा है।

विश्वविद्यालयों की श्रेणी में दोनों संस्थानों ने अपनी रैंकिंग बरकरार रखी है, जबकि मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन ने तीसरा स्थान हासिल किया है। कर्नाटक में स्थित यह विश्वविद्यालय नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की रैंकिंग में शीर्ष तीन में शामिल होने वाला पहला निजी संस्थान भी है। पिछले साल तीसरे स्थान पर रहा जामिया मिलिया इस्लामिया एक स्थान खिसककर चौथे स्थान पर आ गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज और मिरांडा हाउस ने कॉलेजों की श्रेणी में पहला और दूसरा स्थान बरकरार रखा है, उसके बाद हंसराज कॉलेज और किरोड़ीमल कॉलेज का स्थान है। पिछले साल इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर रहा सेंट स्टीफंस कॉलेज पांचवें स्थान पर खिसक गया है। इंजीनियरिंग कॉलेजों की शीर्ष दस सूची में नौ आईआईटी शामिल हैं, जिनमें आईआईटी मद्रास लगातार दसवें साल शीर्ष पर है। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी बॉम्बे ने भी क्रमशः अपना दूसरा और तीसरा स्थान बरकरार रखा है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली, शीर्ष दस सूची में एकमात्र गैर-आईआईटी संस्थान है। प्रबंधन कॉलेजों में, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, उसके बाद आईआईएम बेंगलोर और आईआईएम कोझिकोड हैं। शीर्ष दस बी-स्कूलों की सूची में सात आईआईएम शामिल हैं, जबकि आईआईटी दिल्ली इस श्रेणी में शामिल होने वाला एकमात्र प्रौद्योगिकी संस्थान है। एमडीआई गुड़गांव और एक्सएलआरआई जमशेदपुर क्रमशः नौवें और दसवें स्थान पर हैं। फार्मेसी की श्रेणी में जामिया हमदर्द ने शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जबकि पिछले साल के तीसरे स्थान पर रहा बिट्स पिलानी दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसी प्रकार विधि में, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलूरुपहले स्थान पर रही। इसके बाद नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली और नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ हैदराबाद ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान बरकरार रखा है। मेडिकल कॉलेजों में, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नयी दिल्ली ने शीर्ष स्थान हासिल किया है, उसके बाद पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और सीएमसी वेल्लोर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों संस्थानों ने अपना स्थान बरकरार रखा है।

डेंटल कॉलेजों में एम्स दिल्ली ने शीर्ष स्थान हासिल किया है, जबकि सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज, चेन्नई दूसरे स्थान पर खिसक गया है। आईआईएससी बेंगलूरुशीर्ष रैंक वाला शोध संस्थान है, उसके बाद आईआईटी मद्रास है। मुक्त विश्वविद्यालयों में, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि (इग्नू) शीर्ष स्थान पर है, उसके बाद कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूरु है।

तमिलनाडु सरकार ने जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने की सराहना की, राज्यों के राजस्व को लेकर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों को युक्तिसंगत बनाने के केंद्र सरकार के फैसले का बृहस्पतिवार को स्वागत किया, लेकिन राज्य के राजस्व की सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी व्यक्त कीं। केंद्र सरकार ने व्यक्तिगत जीवन बीमा और व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा सेवाओं पर से जीएसटी खत्म करने का फैसला किया है।

राज्य के वित्त मंत्री टी. थेन्नारासु ने सुझाव दिया कि या तो संविधान संशोधन के माध्यम से उपकर प्रावधान की वर्तमान व्यवस्था को जारी रखा जाए या जीएसटी अधिनियम संशोधन के जरिये केवल अहितकर और विलासिता की वस्तुओं पर कर की बाध्य दर बढ़ाई जाए। तीन सितंबर को नयी दिल्ली में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में भाग लेने वाले मंत्री ने कहा कि एकीकृत जीएसटी निपटान पर अधिकारियों की समिति की रिपोर्ट को आईजीएसटी निपटान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए पूरी तरह से लागू करने की आवश्यकता है और जीएसटी परिषद ने दिसंबर 2025 के अंत से पहले इसे लागू करने पर सहमति व्यक्त की।

यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, मंत्री ने निर्यात के लिए अनंतिम रिफंड और व्युत्क्रम शुल्क ढांचे की मंजूरी के लिए स्वचालित तंत्र बनाने का स्वागत किया और व्यापार करने में आसानी के लिए छोटे व कम जोखिम वाले व्यवसायों के लिए सरलीकृत पंजीकरण तंत्र का समर्थन किया।

दिनाकरन के राजग से अलग होने के फैसले पर भाजपा ने कहा : द्रमुक के विरोधी दल एकजुट रहेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने बृहस्पतिवार को एएमएमके नेता टीटीवी दिनाकरन के राजग छोड़ने के फैसले को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि द्रमुक को सत्ता से बेदखल करने के इच्छुक सभी लोकतांत्रिक दल एकजुट होंगे। उन्होंने दावा किया कि सहयोगी दलों के बीच मतभेद आम हैं, लेकिन इस समय कुछ भी अंतिम नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि चुनाव अभी दूर है।

तिरुपति का ध्यान जब 3 सितंबर को दिनाकरन के राजग से अलग होने के फैसले की ओर दिलाया गया, तो उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आप देखेंगे कि चुनाव के समय तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राजग में कौन-कौन शामिल हैं। यह कोई गठबंधन का टूटना या अंत नहीं है। भाजपा द्वारा एडप्पादी के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक के साथ फिर से गठबंधन बनाने और यहां तक कि उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के कुछ दिन बाद, भाजपा के सहयोगी पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम गठबंधन से बाहर हो गए। दिनाकरन का गठबंधन छोड़ना भी राजग के लिए एक झटका माना जा रहा है।

अन्नाद्रमुक की सहयोगी प्रेमलता विजयकांत पहले ही कह चुकी हैं कि उनकी पार्टी अगले साल विधानसभा चुनाव के समय गठबंधन पर अपने रुख की घोषणा करेगी। दिनाकरन द्वारा 'विश्वासघात' के आरोप पर तिरुपति ने जवाब दिया, ''उनका आशय भाजपा से नहीं था। इसलिए, मुझे कोई टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं है।'' भाजपा नेता ने कहा, '2मुझे विश्वास है कि द्रमुक को सत्ता से बेदखल करने की साझा इच्छा से प्रेरित सभी राजनीतिक दल राजग के लिए एकजुट होंगे।''

तीन सितंबर को नयी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के शामिल न होने के सवाल पर, तिरुपति ने अन्नामलाई और पार्टी आलाकमान के बीच किसी भी मतभेद से इनकार किया। उन्होंने कहा, आप एक ऐसी बैठक के बारे में कैसे अटकलें लगा सकते हैं और अपने निष्कर्ष पर कैसे पहुंच सकते हैं जिसमें केवल पार्टी के वरिष्ठ नेता ही शामिल हुए थे? अन्नामलाई ने खुद स्पष्ट कर दिया था (कि वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके)। मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है।

स्टालिन ने ब्रिटेन की मंत्री से की मुलाकात, साझेदारी के अवसरों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय की हिंद-प्रशांत मामलों की मंत्री कैथरीन वेस्ट से मुलाकात की और अर्थव्यवस्था, शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास व समुद्री संपर्क में साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने ब्रिटेन की यात्रा के दौरान राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए स्थायी और भविष्य के अनुरूप अर्थव्यवस्था बनाने में सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, लंदन में, मैंने तमिलनाडु-ब्रिटेन साझेदारी को प्रगाढ़ बनाने के लिए ब्रिटेन की मंत्री कैथरीन वेस्ट से मुलाकात की। उन्होंने कहा, हमने हरित अर्थव्यवस्था, शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और समुद्री संपर्क में अवसरों पर चर्चा की। मैंने नवीकरणीय ऊर्जा, ई-मोबिलिटी, आईटी और विनिर्माण में तमिलनाडु की विशेषताओं पर प्रकाश डाला और एक स्थायी व भविष्य के अनुरूप अर्थव्यवस्था को आकार देने के लिए ब्रिटेन के साथ गहन सहयोग का आह्वान किया।

अन्नाद्रमुक महासचिव के तौर पर निर्वाचन से जुड़े मामले में पलानीस्वामी को मिली उच्च न्यायालय से राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ई. के. पलानीस्वामी की याचिका खारिज करने के शहर की एक अदालत के आदेश को बृहस्पतिवार को रद्द कर दिया। पलानीस्वामी ने अपनी अर्जी में अन्नाद्रमुक के महासचिव के तौर पर अपने निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने का अनुरोध किया था।

अन्नाद्रमुक से संबंधित होने का दावा करने वाले डिंडीगुल के निवासी सूर्यमूर्ति ने 11 जुलाई, 2022 को यहां आयोजित पार्टी की महापरिषद की बैठक में पलानीस्वामी को पार्टी प्रमुख घोषित करने और उस दौरान पारित प्रस्तावों के खिलाफ चेन्नई दीवानी न्यायालय में याचिका दायर की थी। दीवानी अदालत ने पलानीस्वामी की याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज मामला रद्द करने का अनुरोध किया था। बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति पी.बी. बालाजी ने पलानीस्वामी की याचिका खारिज करने के दीवानी न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही, उन्होंने सूर्यमूर्ति द्वारा निचली अदालत में दायर मामले को भी खारिज कर दिया।

मामले की सुनवाई के दौरान, पलानीस्वामी ने दावा किया था कि सूर्यमूर्ति 2018 से पार्टी के सदस्य नहीं हैं और जो व्यक्ति अन्नाद्रमुक का सदस्य नहीं है, वह पार्टी के मामलों में सवाल नहीं उठा सकता। अदालत को बताया गया था कि सूर्यमूर्ति ने 2021 के चुनावों में एडप्पाडी विधानसभा क्षेत्र से पलानीस्वामी के खिलाफ चुनाव लड़ा था।

केरल में कांग्रेस विधायक ममकूटाथिल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। पुलिस की अपराध शाखा ने सोशल मीडिया पर यौन दुर्व्यवहार और पीछा करने की शिकायतों के आधार पर कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटाथिल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 78 (2) (पीछा करना), 351 (आपराधिक धमकी) और केरल पुलिस अधिनियम, 2011 की धारा 120 (0) (किसी भी संचार माध्यम से किसी भी व्यक्ति को बार-बार या अवांछनीय कॉल, पत्र, लेखन, संदेश, ई-मेल से परेशान करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ममकूटाथिल पर सोशल मीडिया पर महिलाओं का लगातार पीछा करने, उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करने और संदेशों के माध्यम से धमकियां देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने उन पांच लोगों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज किया है जो विधायक के खिलाफ लगे आरोपों के पीड़ित नहीं हैं। विधायक द्वारा कथित यौन उत्पीड़न की शिकार कोई भी पीड़िता अब तक पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आई है। इस बीच, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने ममकूटाथिल के खिलाफ आरोप लगने के बाद सर्वसम्मति से उनके खिलाफ एक अनुकरणीय कार्रवाई की है। ममकूटाथिल ने प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और बाद में उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगने के बाद उन्हें कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया था। सतीशन ने कहा कि ममकूटाथिल के स्थान पर नए प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला अखिल भारतीय युवा कांग्रेस नेतृत्व द्वारा जल्द ही किया जाएगा।

केरल की पहली महिला फोरेंसिक सर्जन डॉ. शेरली वासु का 68 वर्ष की आयु में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझीकोड/भाषा। केरल की पहली महिला फोरेंसिक सर्जन डॉ. शेरली वासु का 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने कई हाई-प्रोफाइल मामलों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यहां यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वह अपने घर पर बेहोश हो गईं और बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

थोडुपुझा की रहने वाली डॉ. वासु सरकारी मेडिकल कॉलेज से सेवानिवृत्त हुई थीं। वह एक निजी मेडिकल कॉलेज में फोरेंसिक विभाग के प्रमुख के रूप में काम कर रही थीं। अपने लंबे करियर में, उन्होंने हज़ारों पोस्टमार्टम किए, जिनमें केरल को झकझोर देने वाले कई मामले भी शामिल हैं। उन्होंने सैकड़ों छात्रों को फोरेंसिक मेडिसिन का प्रशिक्षण भी दिया। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को असामयिक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. वासु ने कई जटिल मामलों को सुलझाने में मदद की थी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी पुस्तक 'पोस्टमॉर्टम टेबल' ने व्यापक बहस को छेड़ा था।

विपक्ष के संदेह के बीच केरल सरकार ने 'ग्लोबल अय्यप्पा संगमम' का बचाव किया

पथनमथिट्टा/भाषा। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड द्वारा राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित किए जा रहे 'ग्लोबल अय्यप्पा संगमम' को लेकर बृहस्पतिवार को केरल में मिली-जुली प्रतिक्रिया दिखी। सरकार इस बात पर जोर दे रही है कि यह एक भक्ति समागम है, जबकि विपक्षी नेताओं ने इसके उद्देश्य और समय पर सवाल उठाए हैं। पूर्व भाजपा प्रमुख कुम्मनम राजशेखरन और नेता विपक्ष वी डी सतीशन ने सरकार की भूमिका पर संदेह जताया है, जबकि देवस्वोम मंत्री वी एन वासवन ने टीडीबी की प्लैटिनम जुबली के हिस्से के रूप में शिखर सम्मेलन का बचाव किया।

मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन ने यहां कहा कि 20 सितंबर को पम्पा में केरल सरकार के सहयोग से टीडीबी द्वारा आयोजित किए जा रहे 'ग्लोबल अय्यप्पा संगमम' में शामिल होने से किसी को नहीं रोका जाएगा। उन्होंने यह टिप्पणी पंडालम राजपरिवार के प्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद की तथा उन्हें टीडीबी शिखर सम्मेलन के विकल्प के रूप में विभिन्न हिंदू संगठनों और भाजपा द्वारा आयोजित किए जा रहे 'सबरीमाला संरक्षण संगमम' में आमंत्रित किया। राजशेखरन ने कहा, ''किसी को भी अय्यप्पा संगमम में शामिल न होने के लिए नहीं कहा जाएगा। लेकिन इसके पीछे की मंशा पर सवाल है। क्या राज्य सरकार को ऐसा शिखर सम्मेलन आयोजित करने का कोई नैतिक अधिकार है? एक गैर-धार्मिक सरकार को अय्यप्पा संगमम आयोजित करने का क्या अधिकार है? जब हमने उनसे मामले वापस लेने के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि यह अदालत में विचाराधीन है। जब हमने उच्चतम न्यायालय के हलफनामे के बारे में पूछा, तो उन्होंने फिर कहा कि यह अदालत में विचाराधीन है।'' पंडालम महल के प्रतिनिधि एन शंकर वर्मा ने कहा कि राजपरिवार ने अभी तक यह निर्णय नहीं लिया है कि वह किसी शिखर सम्मेलन में भाग लेगा या नहीं। उन्होंने कहा, ''हम इन शिखर सम्मेलनों के पीछे की मंशा समझ नहीं पाए। महल श्रद्धालुओं के साथ खड़ा रहेगा। परंपराओं की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। अगर इन आयोजनों से श्रद्धालुओं को मदद मिलती है, तो हम उनके साथ खड़े होंगे। अन्यथा, हम इनसे दूर रहेंगे।'' पंडालम महल को भगवान अय्यप्पा का पैतृक घर माना जाता है, और इसके सदस्य सबरीमाला तीर्थयात्रा के दौरान महत्वपूर्ण अनुष्ठान भूमिका निभाते हैं, जिसमें मकरविलक्कु उत्सव के लिए मंदिर में पवित्र आभूषण (तिरुवभरणम) लाना भी शामिल है। देवस्वोम मंत्री वासवन ने कहा कि 'ग्लोबल अय्यप्पा संगमम' के पीछे कोई राजनीति नहीं है।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि विपक्ष के केवल एक नेता ने शिखर सम्मेलन पर आपत्ति जताई है। विपक्ष ने एकजुट स्वर में इसका विरोध नहीं किया है। इसमें कोई राजनीति नहीं है। यह केवल अयप्पा भक्तों का एक शिखर सम्मेलन है, जो टीडीबी की प्लेटिनम जयंती के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया है।'' वासवन ने कहा कि उन्हें भाजपा और अन्य संगठनों द्वारा समानांतर शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, कांग्रेस नेता सतीशन ने सत्तारूढ़ माकपा की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि भगवान अय्यप्पा के प्रति उसकी ''अचानक भक्ति'' चुनाव से पहले ''राजनीति से प्रेरित'' है।

ओणम पर्व वर्तमान केरल को उसके शाही अतीत से जोड़ता है

कोट्टयम/भाषा। केरल के शाही अतीत की एक परंपरा आज भी राज्य के लोकतांत्रिक वर्तमान में अपना स्थान बनाए हुए है। ओणम की पूर्व संध्या 'उथ्राडम' पर राज्य मंत्री वी. एन. वासवन ने यहां वायसकार राजभवन महल का दौरा किया और उथ्रादक्कीझी(एक पारंपरिक थैला जिसमें 1001 रुपये रखे हुए थे) भेंट किया। यह उपहार कभी कोचीन के राजाओं द्वारा फसल त्योहार के हिस्से के रूप में शाही परिवार की महिलाओं को दिया जाता था।

अब जबकि राजशाही को समाप्त हुए काफी समय बीत चुका है, तब भी राज्य सरकार इस परंपरा को जीवित रखे हुए है और यह राशि जिला प्रशासन के माध्यम से प्रदान करती है। इस वर्ष 'किझी' वायसकार महल के राजा राजराज वर्मा की पत्नी एन. के. सौम्यवती थंपुरत्ति को भेंट की गई। यहां बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार थंपुरत्ति कोचीन शाही वंश की वंशज हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह में विधायक थिरुवंचूर राधाकृष्णन, जिला कलेक्टर चेतन कुमार मीणा और स्थानीय राजस्व अधिकारी मौजूद थे। ओणम पर्व शुक्रवार को मनाया जाएगा जो वर्तमान उत्सव को अतीत की परंपराओं से जोड़ता है।

केरल के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विपक्षी नेता ने ओणम की शुभकामनाएं दीं

तिरुवनंतपुरम/भाषा केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने ओणम पूर्व की संध्या पर बृहस्पतिवार को दुनियाभर के मलयाली लोगों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा, मैं राज्य के लोगों और दुनियाभर के मलयाली लोगों को ओणम की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने बताया कि हर घर को उत्सव की खुशी से रोशन करने वाला ओणम पर्व समानता, एकता और समृद्धि की परंपरा का जश्न मनाता है और यह पर्व हमें इसी तरह के समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि ओणम एक ऐसा उत्सव है जहां दुनिया भर के मलयाली बिना किसी भेदभाव के एक साथ आते हैं। हम में से हर कोई एक-दूसरे के प्रति प्यार बांटने, इंसानियत को अपनाने और भाईचारे को फैलाने की खुशी महसूस करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मलयाली लोगों का लक्ष्य केवल त्योहार की अवधारणा को आगे बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समृद्धि, समानता और खुशी से भरे केरल का निर्माण करना होना चाहिए। उन्होंने अपने संदेश में कहा, इस वर्ष का ओणम हमें लक्ष्य की ओर हमारी यात्रा में ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करे। विकसित केरल के सपने को साकार करते हुए, हमें एक भी व्यक्ति को पीछे छोड़े बिना इसके लाभों को समान रूप से साझा करने में सक्षम होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन लोगों की पहचान करें और उनसे दूर रहें जो सांप्रदायिकता, विभाजन और नफरत का जहर उगल रहे हैं और इस भव्य अवसर को बर्बाद करने की धमकी दे रहे हैं। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने अपने संदेश में कहा कि ओणम सभी मलयाली लोगों के लिए जाति और धर्म से ऊपर उठकर एक गौरवपूर्ण पर्व है। उन्होंने कहा, हम ओणम का पर्व इस विश्वास के साथ मनाते हैं कि एक समय था जब सभी लोग समान थे और अपने दुखों व संकटों को एक तरफ रखकर परिवार तथा दोस्तों के साथ इसका आनंद लेते थे।

अवैध धर्मांतरण गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिला पुलिस ने उद्योग नगर में अवैध धर्मांतरण गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सैय्यत कॉलोनी, गोलेटा में स्थित 'फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड' नामक एक हॉस्टल में गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के नाम पर अवैध रूप से धर्मांतरण कराया जा रहा है।

पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और हॉस्टल में पाया गया कि बच्चों को ईसाई धर्म की शिक्षा दी जा रही थी और उनके मूल धर्म (हिंदू और सिख) के खिलाफ अपमानजनक बातें सिखाई जा रही थी। पुलिस ने हॉस्टल के रिकॉर्ड और तकनीकी साक्ष्य जब्त किए और बच्चों से सादा वस्त्रों में गोपनीय तरीके से पूछताछ कर वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में शामिल दो मुख्य आरोपियों बोधर अमृत (44) निवासी चिटकोड़ा हिम्मतनगर गुजरात और सोहन सिंह (34) निवासी बांधोली थाना रामगढ़ जिला अलवर को गिरफ्तार किया। ये आरोपी गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा और आवास का लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन करा रहे थे। इस संस्था का प्रबंधन चेन्नई की एक संस्था एफएमपीबी द्वारा किया जाता है। इसी संस्था से जुड़े गुजरात निवासी सैल्वम, बांधौली निवासी मलकीत सिंह, गोबिंदगढ़ निवासी सतीश और बोधर अमृत के साथ 14 अन्य आरोपी पहले ही अवैध धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार होकर जमानत पर हैं।

सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को आदर्श आंगनबाड़ी बनाने के ध्येय से करें कार्य : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में तथा महिला एवं बाल विकास शासन सचिव श्री महेन्द्र सोनी एवं निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं श्री वासुदेव मालावत की उपस्थिति में गुरुवार को शासन सचिवालय में राज्य में आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण एवं जर्जर / मरम्मत योग्य आंगनबाड़ी भवनों के जीर्णोद्धार के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अभियंता (भवन), सार्वजनिक निर्माण विभाग, समग्र शिक्षा अभियान के तकनीकी अधिकारी, प्रभारी, नन्द घर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे । वहीं राज्य के सभी जिलों के उपनिदेशक वीडियो कांफ्रेंस से जुड़े। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राज्य में आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण एवं जर्जर / मरम्मत योग्य आंगनबाड़ी भवनों के जीर्णोद्धार के कार्यों की प्रगति की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि उक्त कार्य समयबद्धता से पूर्ण करें तथा आवंटित किए गए बजट का समुचित उपयोग किया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सभी आंगनबाड़ियों को आदर्श आंगनबाड़ी बनाने के ध्येय से अधिकारी फील्ड में कार्य करें साथ ही नियमित मॉनिटरिंग भी करें। उन्होंने जिला उप निदेशकों को निर्देशित किया कि जिला कलेक्टर्स के माध्यम से जिलों की आंगनबाड़ियों का सर्वे शीघ्र पूर्ण करवाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला उपनिदेशक यह भी सुनिश्चित करें कि जिलों में असुरक्षित और जर्जर आंगनबाड़ी भवनों को डेमोलिश किया जाए तथा उक्त आंगनबाड़ी केंद्रों को तत्काल प्रभाव से अन्यत्र स्थानानंरित किया जाए इसमें किसी भी तरह की कोई चूक नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए।

दीया कुमारी ने अभी तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं करवाने वाले जिला उपनिदेशकों से नाराजगी जताते हुए कहा कि जिलों से अगले 15 दिवस में प्रगति की चर्चा की जाएगी।

सिविल कार्य हुए हैं या नहीं इसकी प्रगति रिपोर्ट अगले एक सप्ताह में प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें, साथ ही यह ध्यान रखा जाए कि आंकड़ों में कोई अंतर नहीं हो। उन्होंने निर्देश दिए कि नियमित रूप से तय लक्ष्यों की प्राप्ति करें साथ किये गए कार्यों की सम्पूर्ण रिपोर्ट प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी तरह की कोताही बरते जाने को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित कार्यों की टेंडर प्रक्रिया को शीघ्र फाइनल कर, कार्यों को शीघ्र शुरू करवाया जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उपनिदेशक फील्ड में रहकर कार्यों को प्रभावी तरीक़े से मोनिटर करें।उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ियों के भवन आधारभूत सुविधाओं के साथ विकसित किये जाए। आंगनबाड़ियों के विकास कार्य ये राज्य सरकार के बजट के साथ साथ सीएसआर/ आपदा सहायता फंड/ डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड/ इंटरनेशनल विधायक निधी के तहत जिला कलेक्टर्स के माध्यम से भी करवाये जानने हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं।

जीएसटी दरों के सरलीकरण से अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के सरलीकरण से आमजन, किसान और व्यापारी को सबसे ज्यादा लाभ होगा तथा अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने जीएसटी परिषद द्वारा दरों का सरलीकरण कर आमजन को राहत देने के निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का राजस्थान की आठ करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया है। शर्मा ने विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से कहा कि जीएसटी काउंसिल ने माल एवं सेवा कर सुधारों की दिशा में बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय किया है। अब चार दरों के स्थान पर केवल दो ही दर लागू होंगी।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय रोटी, कपड़ा, मकान जैसे बुनियादी सुविधाओं की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इससे आमजन, गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, उद्योगपति और व्यापारियों को सबसे ज्यादा लाभ होगा। साथ ही, आने वाली दीपावली भी खास होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की अंत्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्णय देश और राज्यों को विकसित बनाने के लक्ष्य में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य की 'डबल इंजन' सरकार जन कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही है।

राज्यपाल ने किया मीडिया लैब एवं रेडियो राजस्थान 91.2 कम्युनिटी रेडियो का लोकार्पण

जयपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर में गुरुवार को दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने की। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की नवनिर्मित मीडिया लैब एवं रेडियो राजस्थान 91.2 कम्युनिटी रेडियो का लोकार्पण किया। कार्यक्रम का आयोजन नई शिक्षा नए विचार और विकसित भारत का संकल्प की थीम पर किया गया।

राज्यपाल श्री बागड़े ने नव आगंतुक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अहंकार का त्याग कर अर्जुन की तरह एकाग्रता के साथ अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह नीति प्राचीन गुरुकुल परंपरा की तरह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। उन्होंने एकात्म मानवतावाद के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को इच्छा शक्ति और संयम के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

राज्यपाल ने राजस्थान को वीर प्रसूताओं की भूमि बताते हुए स्वतंत्रता आंदोलन में अर्जुन लाल सेठी जैसे शिक्षकों के योगदान को याद किया।

रबी सीजन में किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गुरूवार को सचिवालय स्थित समिति कक्ष में राज्य स्तरीय फर्टिलाइज़र डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि रबी सीज़न उर्वरक-प्रधान होता है, इसलिए सभी फर्टिलाइज़र कंपनियां मांग और आपूर्ति का विशेष ध्यान रखें। इस वर्ष अप्रत्याशित वर्षा के कारण किसानों को अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि आयुक्त को निर्देश दिए कि नियमित मॉनिटरिंग कर किसी भी समस्या का प्राथमिकता से तुरंत समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने पुलिस विभाग को विशेष अभियान चलाकर कालाबाज़ारी रोकने, सहकारी समितियों से पारदर्शी वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने और उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने रेलवे विभाग को निर्देश दिए कि मांग के समय दबाव कम करने के लिए जयपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनू और दौसा रेक पॉइंट्स को विकसित कर नई सुविधाओं से मज़बूत किया जाए। वर्तमान में राज्य में 35 रेल रेक पॉइंट्स कार्यरत हैं, जिनमें से 15 पर नियमित, 12 पर मौसमी और 8 पर आकस्मिक आपूर्ति होती है।

बैठक में कृषि एवं उद्यानिकी आयुक्त सुचिन्मयी गोपाल ने प्रेज़ेंटेशन के माध्यम से उर्वरक संबंधी महत्वपूर्ण तथ्य और जानकारी प्रस्तुत की। प्रस्तुति में बताया गया कि इस वर्ष अब तक राज्य की खरीफ सीज़न मांग में से यूरिया की आपूर्ति 98 प्रतिशत रही, वहीं डीएपी की उपलब्धता 88 प्रतिशत तक पहुँची। एनपीके और एमओपी की स्थिति अपेक्षाकृत कम रही। जिला-वार समीक्षा में अधिकांश जिलों में यूरिया और डीएपी की अधिकतम उपलब्धता दर्ज की गई।

बैठक के दौरान कंपनीवार समीक्षा में पाया गया कि यूरिया की आपूर्ति में जीएसएफसी ने 224 प्रतिशत आपूर्ति कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, आईपीएल ने 153 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया, जबकि आरसीएफ की आपूर्ति सबसे कम (लगभग 69 प्रतिशत) रही। डीएपी के मोर्चे पर कोरोमंडल ने लक्ष्य से अधिक आपूर्ति दर्ज की। साथ ही किसानों ने डीएपी पर निर्भरता कम करते हुए वैकल्पिक उर्वरकों का उपयोग बढ़ाया, जिसमें एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का उपयोग 28 प्रतिशत और एनपीके का 83 प्रतिशत अधिक दर्ज किया गया।

बैठक में विभागीय प्रयासों की जानकारी दी गई। जिलास्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर आपूर्ति की निगरानी की जा रही है और सभी दुकानों पर स्टॉक व मूल्य सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है। नियम उल्लंघन पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। अब तक अधिक विक्रय करने वाले 981 खुदरा उर्वरक विक्रेताओं पर कार्यवाही की गई है। बैठक में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कानून एवं व्यवस्था), सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां सहित विभिन्न विभाग- कृषि, सहकारिता, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति , रेलवे तथा उर्वरक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

जयपुर। जयपुर जिले में विगत दिनों हुई लगातार बारिश से कई क्षेत्रों में जलभराव और जनजीवन प्रभावित हुआ है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशीलता और वर्षाजनित परिस्थितियों के दौरान प्रभावितों तक हर संभव मदद पहुंचाने की मंशा को मूर्त रूप देते हुए जयपुर जिला प्रशासन ने जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में नगर निगम जयपुर हेरिटेज, नगर निगम जयपुर ग्रेटर, जयपुर विकास प्राधिकरण, नागरिक सुरक्षा और एसडीआरएफ जैसी सभी इकाइयों को समन्वित कर प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई की और मिशन मोड में प्रभावितों तक राहत पहुंचाने का काम किया है। जिला प्रशासन द्वारा वर्षाजनित परिस्थितियों से निपटने के लिए युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं।

बीते तीन दिनों में जयपुर में हुई भारी बारिश के दौरान नगर निगम जयपुर हैरिटेज को बाढ़ नियंत्रण केंद्रों और कार्यालयों पर कुल 330 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से सभी का त्वरित निस्तारण किया गया। जलभराव एवं मिट्टी कटाव रोकने हेतु 19,800 मिट्टी के कट्टों का उपयोग किया गया, 15 पंप लगाए गए, जबकि जवाहर नगर कच्ची बस्ती में तीन अतिरिक्त पंप स्थापित किए गए। साथ ही 3,100 फीट सड़क मरम्मत और 180 नालों व मैनहोल पर कवर लगाए गए। विद्युत संबंधी 450 शिकायतों में से 280 का निस्तारण तत्काल किया गया। राहत कार्यों में 7 जेसीबी, 13 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 4 डंपर अतिरिक्त लगाए गए।

चट्टान गिरने से तीन युवकों की मौत, एक घायल

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के रामगढ़ उपखंड के नौगांवा थाना क्षेत्र में गुरुवार को पहाड़ से गिरी चट्टान की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गयी, जबकि एक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रघुनाथगढ़ पंचायत के काला घाटा की सरकारी पहाड़ी की ओर गांव के शकील (25), भब्बल (30), जुबेर (25) और जाहिद पहाड़ी पर बकरियां चरा रहे थे। तेज धूप से बचने के लिए चारों एक पेड़ के नीचे बैठे ही थे कि अचानक 25 फुट की ऊंचाई से भारी चट्टान मलबे के साथ उनके ऊपर आ गिरी। इससे चारों मलबे में दब गये। उनकी चीख पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और जेसीबी मंगवाकर मलबा हटाया। चारों को मलबे से निकाला गया, लेकिन तब तक शकील, भब्बल और जुबेर की मौत हो चुकी थी, जबकि जाहिद गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नौगांवा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे अलवर भेज दिया गया। उधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक सुनील कुमार शर्मा और उपखंड अधिकारीअनिल मीणा पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। पुलिस ने शव नौगांवा अस्पताल के शवगृह में रखवाये हैं।

डोडा पोस्त की तस्करी करने के दोषी को दस वर्ष का कठोर कारावास

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने मादक पदार्थ की तस्करी करने के दोषी को गुरुवार को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनायी। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार वाजा ने अभियुक्त फारुख उर्फ कालू कायमखानी को मादक पदार्थ डोडा पोस्त की तस्करी करने का दोषी मानते हुए उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी किया। मामले के अनुसार 25 मई 2016 को गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने फारुख से 305 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया था।

वर्ष 2016 में कही बात सरकार ने मानी : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर जो बात वर्ष 2016 में कही थी, अन्ततः नौ साल तक जनता को महंगाई का झटका देने के बाद अब मोदी सरकार ने मान ली। गहलोत ने गुरुवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इतना विलंब क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि अब इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाहवाही लूटना चाहते हैं लेकिन राहुल गांधी के सुझाव को पहले ही मानकर इस फैसले को पहले ही ले लेते तो आमजन और अर्थव्यवस्था का इतना नुकसान न होता।

राजस्थान के अनेक भागों में भारी से अति भारी बारिश होने की चेतावनी

जयपुर। मौसम विभाग का मानना है कि राजस्थान के अनेक हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश का दौर अभी कुछ दिन जारी रहने की संभावना है। उसने बृहस्पतिवार को भी राज्य में अनेक जगह अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की । विभाग ने बृहस्पतिवार को बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर एवं उदयपुर जिलों में अति भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। इसके अलावा भी सिरोही, नागौर, पाली एवं टोंक समेत दर्जन भर जिलों में भारी बारिश की चेतावनी 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। विभाग के मुताबिक आगामी तीन-चार दिन राजस्थान के कोटा, उदयपुर संभागों के कुछ भागों में मध्यम से भारी एवं कहीं-कहीं अति भारी बारिश हो सकती है। जयपुर, भरतपुर, अजमेर संभागों के कुछ भागों में माध्यम से कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभागों के कुछ भागों में आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। जोधपुर संभाग में पांच से सात सितंबर तक कहीं-कहीं भारी एवं अतिभारी बारिश होगी। बृहस्पतिवार सुबह तक 24 घंटों में राज्य के दौसा, उदयपुर, बूंदी एवं बांसवाड़ा जिलों में भारी बारिश तथा राज्य के अनेकों स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश सिकराय (दौसा) में 104 मिलीमीटर हुई।

आईआईटी जोधपुर के निदेशक पर हमले के आरोप में सहायक प्रोफेसर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर के एक सहायक प्रोफेसर को विभागीय बैठक के दौरान संस्थान के निदेशक के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार और मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। शिक्षक को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। हालांकि, बाद में शाम को आईआईटी प्रशासन ने शिक्षक को निलंबित कर दिया। बुधवार सुबह बैठक के दौरान निदेशक अविनाश कुमार अग्रवाल और सहायक प्रोफेसर दीपक कुमार अरोड़ा (केमिकल इंजीनियरिंग) के बीच विवाद हो गया। इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस जल्द ही हिंसक हो गई और अरोड़ा ने अग्रवाल पर हमला कर दिया। इस घटना में दोनों घायल हो गए। थाना प्रभारी (करवाड़) लेखराज सियाग ने बताया कि निदेशक और प्रोफेसर दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई हैं और जांच शुरू कर दी गई है।

सियाग ने बताया, रजिस्ट्रार अंकुर गुप्ता ने निदेशक अविनाश कुमार अग्रवाल की ओर से सहायक प्रोफेसर दीपक कुमार अरोड़ा के खिलाफ मारपीट, सरकारी काम में बाधा डालने और जातिसूचक अपशब्द कहने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि अरोड़ा ने निदेशक अग्रवाल पर हमला किया, जिससे उनके पैर में चोट आई है।

दूसरी ओर, अरोड़ा ने भी निदेशक और उनके सहयोगियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमें उन पर गलत तरीके से बंधक बनाने, सरकारी कर्तव्यों में बाधा डालने और मारपीट का आरोप लगाया गया। सूत्रों के अनुसार, जब निदेशक कार्यालय के कर्मचारियों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो अरोड़ा ने एक कर्मचारी के साथ भी मारपीट की, जिससे उसके हाथ में चोट आई। अरोड़ा ने निदेशक को कथित तौर पर जातिसूचक अपशब्द कहे और उन्हें और उनके परिवार को खत्म करने की धमकी दी। सूत्रों ने बताया कि अरोड़ा उस समय भड़क गए जब निदेशक ने पिछले पांच वर्षों में उनके विभाग के खराब प्रदर्शन की शिकायत की। हालांकि, अरोड़ा ने उनका विरोध करते हुए कहा कि संस्थान के निदेशक के रूप में उनके कार्यभार संभालने के बाद से आईआईटी ने भी कोई उपलब्धि हासिल नहीं की है।

नवनिर्मित श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ का उद्घाटन 6 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ब्राह्मण समाज के युवाओं के शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन के स्वप्न को साकार करने वाला एक भव्य केन्द्र अब जयपुर की धरती पर खड़ा हो चुका है। विप्र फाउंडेशन की ओर से नवनिर्मित श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ (सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च) का उद्घाटन 6 सितम्बर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। इस अवसर पर नीरजा मोदी स्कूल ग्राउंड में दोपहर 3 बजे ब्राह्मणों का महासंगम होगा जिसे मुख्यमंत्री सहित प्रमुख वक्ता संबोधित करेंगे। इससे पूर्व 2 बजे से गौ ऋषि प्रकाशदास जी महाराज राष्ट्र भक्ति ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति देंगे।विप्र फाउंडेशन के संस्थापक संयोजक सुशील ओझा ने बताया कि एक लंबे अरसे के बाद समाज के बालक-बालिकाओं को एक ही छत के नीचे शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कौशल विकास, कन्या छात्रावास, ई-लाइब्रेरी और सांस्कृतिक गतिविधियों जैसी तमाम सुविधाएं मिलने जा रही हैं। सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च समाज के युवाओं के संपूर्ण विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

ओझा ने बताया कि ज्ञानपीठ के उद्घाटन को लेकर समाज में अभूतपूर्व उत्साह है। उद्घाटन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व विधानसभाध्यक्ष डॉक्टर सी पी जोशी , भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद चन्द्रप्रकाश जोशी, पूर्व सांसद रामचरण वोहरा, राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, सिविल लाइंस विधायक गोपाल

शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्यजी आदि की भी गरिमामय उपस्थिति रहेगी। 5 सितम्बर को उद्घाटन की पूर्व संध्या पर विप्र चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (विक्की) की ओर से वंदन पर्व का आयोजन राजस्थान कन्वेंशन सेंटर में शाम 5 बजे से होगा। इसमें देश-प्रदेश के प्रमुख उद्योगपति एवं व्यवसायी राजस्थान के विकास तथा समाज के युवाओं के स्वावलंबन पर विचार मंथन करेंगे। इस आयोजन में राजस्थानी थीम की झलक होगी। साफा पहनाकर स्वागत किया जाएगा और ज्ञानपीठ निर्माण में सहयोग देने वाले उद्यमियों का सम्मान किया जाएगा। रात्रिभोज का भी आयोजन रहेगा।

पार्किंग और विशाल हॉल, ऑडिटोरियम।भूतल : सेमिनार हॉल, कार्यालय, अतिथि कक्ष और परशुराम मंदिर।प्रथम से तृतीय तल : सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्रशिक्षण गतिविधियों हेतु कार्यक्षेत्र।चतुर्थ-पंचम तल : प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग, वैदिक अनुसंधान केंद्र, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और कौशल विकास केन्द्र।पंचम एवं षष्ठम तल : कन्या छात्रावास एवं मेस हॉल।छत: गायत्री, गीता, गौ, गंगा ग्रीनरी पर आधारित फाइव जी गार्डन होगा सबसे आकर्षण का केंद्र। साथ ही यज्ञशाला भी होगी।

यह रहेगी संचालन व्यवस्था : ज्ञानपीठ की गतिविधियों के संचालन के लिए 15 सदस्यीय समिति गठित की गई है। इसमें पूर्व पुलिस महानिदेशक ओमेन्द्र भारद्वाज चेयरमैन, राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा कार्यकारी चेयरमैन और सतीश चंद्र शर्मा

राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री की स्वर्गीय मां पर टिप्पणी को लेकर आक्रोश

जोधपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय मां पर की गई टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी जोधपुर देहात में आक्रोश का माहौल है। इसी के चलते शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद राहुल गांधी की शव यात्रा निकालकर उनका पुतला दहन किया गया। भाजपा जोधपुर देहात दक्षिण के जिला अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की माता पर टिप्पणी करना बेहद अनुचित है। राजनीति में व्यक्तिगत स्तर पर माता-पिता पर की गई बातें सही नहीं मानी जा सकतीं।

राज्यों को उपकर में हिस्सा नहीं मिलता, यह लूट के समान है: डेरेक ओब्रायन

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्यों को उपकर कर संग्रह में उनका हिस्सा नहीं मिलता और यह 'लूट' के समान है।

राज्यसभा सदस्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए लगाया जाने वाला उपकर, सकल कर राजस्व का 26 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि राज्यों को इसमें कोई हिस्सा नहीं मिलता। ओब्रायन ने लिखा, उपकर = लूट। उपकर सीधे केंद्र सरकार को जाता है। उपकर राज्यों के साथ साझा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा, 2011 में, सकल कर राजस्व के कुल प्रतिशत में से 10 प्रतिशत उपकर था। 2022 में, यह बढ़कर 26 प्रतिशत हो गया। राज्यों को वंचित किया जा रहा है। 10 प्रतिशत से 26 प्रतिशत की लूट। उनकी यह टिप्पणी जीएसटी परिषद द्वारा 5 और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय कर संरचना को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद आई है, जो 22 सितंबर से लागू होगी।

बीजद ने केंदू पत्ता और हथकरघा उत्पादों पर जीएसटी में पूरी तरह छूट दिए जाने की मांग की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की मुख्य विपक्षी पार्टी - बीजू जनता दल (बीजद) ने केंदू पत्ता और हथकरघा उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में पूरी तरह छूट दिए जाने की बृहस्पतिवार को मांग की। बीजद ने केंद्र से जीएसटी दरों में बदलाव के कारण प्रति माह 1,000 करोड़ रुपए के अनुमानित राजस्व नुकसान की भरपाई करने को भी कहा।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बीजद के वरिष्ठ नेताओं देबी प्रसाद मिश्र और निरंजन पुजारी ने कहा कि हालांकि हथकरघा उत्पादों पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है, लेकिन केंदू पत्ता संग्रहण में लगे आदिवासी और दलित लोगों के व्यापक हित में इसे जीएसटी से पूरी तरह छूट दी जानी चाहिए। बीजद नेताओं ने कहा कि वे 2018 से केंदू पत्ते और हथकरघा उत्पादों पर जीएसटी में पूरी तरह छूट दिए जाने की मांग कर रहे हैं लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर यही अनुरोध किया था। हालांकि, इसे स्वीकार नहीं किया गया। केंदू पत्ता पर जीएसटी दर को 18 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है, लेकिन बीजद का तर्क है कि इस कटौती से केंदू पत्ता एकत्र करने वाले लोगों को कोई खास फायदा नहीं होगा। पूर्व वित्त मंत्री पुजारी ने कहा कि बीजद ने केंदू पत्तों की तरह ही हथकरघा क्षेत्र में भी बुनकरों के हितों को ध्यान में रखते हुए जीएसटी छूट की लगातार मांग की है।

कुकी-जो समूहों ने केंद्र के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए, क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रहेगी

नई दिल्ली/भाषा। कुकी-जो समुदाय के दो प्रमुख संगठनों ने बृहस्पतिवार को सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें वे मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने, निर्दिष्ट शिविरों को संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित करने और राज्य में दीर्घकालिक शांति एवं स्थिरता लाने के समाधान पर काम करने के लिए सहमत हुए। कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) के साथ त्रिपक्षीय 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस' (एसओओ) समझौते में नए सिरे से शर्तों को निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इससे मणिपुर में शांति के प्रयासों पर सकारात्मक असर पड़ेगा। कुकी-जो काउंसिल (केजेडसी) ने अलग से राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को खोलने का फैसला किया है जो मणिपुर से होकर गुजरता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगले सप्ताह संभावित मणिपुर यात्रा से पहले यह कदम उठाया गया है। यह मई 2023 में मेइती और कुकी समुदायों के बीच भड़की जातीय हिंसा के बाद से प्रधानमंत्री का राज्य का पहला दौरा होगा। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पिछले कुछ दिन में मंत्रालय के अधिकारियों और कुकी समूहों के एक प्रतिनिधिमंडल के बीच कई बैठकों के बाद इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च निकाले जाने के बाद तीन मई, 2023 को जातीय हिंसा शुरू हो गई थी। तब से दोनों समुदायों के सदस्य समेत करीब 260 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

'गुंडा टैक्स' सपा सरकार का संस्कार था : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती अखिलेश यादव सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) के शासनकाल में ''उद्यमियों का शोषण'' किया गया और ''गुंडा टैक्स का बोलबाला'' था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

आदित्यनाथ ने गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में बृहस्पतिवार को 2251 करोड़ रुपए के निवेश और विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। निवेश परियोजनाओं में बहुराष्ट्रीय कंपनी कोका कोला के 'बॉटलिंग प्लांट' का भूमि पूजन और देश में अग्रणी प्लास्टिक उत्पाद-पैकेजिंग कम्पनी 'टेक्नोप्लास्ट' की यूनिट का लोकार्पण शामिल है। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार में बने सुरक्षा के बेहतर माहौल को निवेश की आधारशिला करार दिया। इस संदर्भ में उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि व्यापारियों और उद्यमियों से 'गुंडा टैक्स' वसूलना सपा सरकार के संस्कार का हिस्सा था।

गोरखपुर के गीडा प्लास्टिक पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूरे राज्य में निवेश एक सपना मात्र था, लेकिन 'डबल इंजन' सरकार द्वारा जनसेवा के लिए प्रतिबद्धता से किए गए कार्यों का परिणाम है कि राज्य में आज विकास, निवेश और रोजगार की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, जब सुरक्षा का माहौल बनता है तो निवेश आता है। निवेश से नौकरी और रोजगार के द्वार खुलते हैं। रोजगार से खुशहाली आती है और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। 'डबल इंजन' की सरकार सुरक्षा का माहौल प्रदान कर समृद्धि का मार्ग सुगम कर रही है। उन्होंने नाम लिए बगैर सपा को निशाना बनाते हुए कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने वाले एवं राज्य को दंगों की आग में झोंकने वाले लोगों ने नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, वोट बैंक की राजनीति में सुरक्षा से खिलवाड़ किया, बेटी-बहनों की इज्जत की परवाह नहीं की और मातृशक्ति की गरिमा का ख्याल नहीं किया।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर ओडिशा सरकार 50,000 अंत्योदय घरों के कार्यादेश जारी करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर 50 हजार अंत्योदय घरों के लिए कार्यादेश जारी किए जाएंगे। पंचायती राज मंत्री रबी नारायण नाइक ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग या वर्तमान में कच्चे घरों में रहने वाले लोगों को पक्के मकान उपलब्ध कराना है।

मंत्री ने कहा कि न्यूनतम 25 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले पक्के मकान के निर्माण के लिए 1.2 लाख रुपए की आवास सहायता राशि प्रदान की जाएगी। नाइक ने कहा कि अब तक इस योजना के अंतर्गत एक लाख से अधिक लाभार्थियों को शामिल किया जा चुका है। इसके अलावा, उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत मकानों के लिए कार्यादेश नवंबर में जारी किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि नई प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए हाल में किए गए सर्वेक्षण में लगभग 35 लाख लाभार्थियों ने आवेदन किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना नवंबर तक सभी प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूरी करने और उसके बाद कार्यादेश जारी करने की है। इससे पहले मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर 75 लाख पौधे लगाएगी। माझी ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा था, ओडिशा के विकास के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता और लोगों के प्रति उनकी सद्भावना को मान्यता देते हुए 17 सितंबर को एक ही दिन राज्य भर में 75 लाख पेड़ लगाए जाएंगे।

विदेशी नागरिक अधिनियम पर केंद्र का आदेश हास्यास्पद, चुनावी हथकंडा : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत हाल के उस आदेश को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र पर निशाना साधा, जिसमें पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को वैध दस्तावेजों के बिना भारत में रहने की अनुमति दी गई है। उन्होंने इसे एक ''चुनावी हथकंडा'' करार दिया। बंगाली प्रवासियों पर कथित अत्याचारों की निंदा करने संबंधी एक सरकारी प्रस्ताव पर पश्चिम बंगाल विधानसभा में चर्चा के दौरान बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र का कदम आगामी चुनावों से पहले जनता को गुमराह करने के उद्देश्य से है। उन्होंने भाजपा पर मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए इस तरह की रणनीति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। यह चुनावी हथकंडा के अलावा कुछ नहीं है, लेकिन इस बार यह काम नहीं करेगा। बनर्जी ने कहा, इस नए नियम पर संसद में कोई चर्चा नहीं हुई है। भाजपा ऐसे मामलों पर एकतरफा फैसला कैसे ले सकती है? ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा या विचार-विमर्श के लिए कोई चर्चा, बहस या संसदीय समितियां नहीं?'' केंद्र के आदेश के निहितार्थ का उल्लेख करते हुए बनर्जी ने सवाल किया कि क्या बिना दस्तावेजों के रहने वालों को भी मतदान का अधिकार दिया जाएगा? उन्होंने पूछा, वे (सरकार) कह रहे हैं कि बिना दस्तावेजों के आए लोगों को रहने दिया जायेगा।

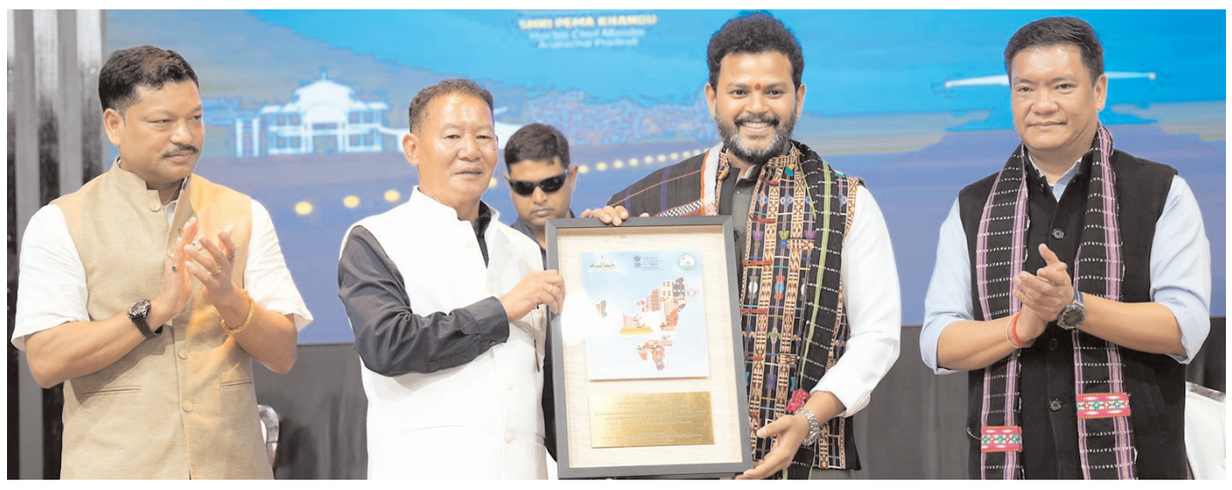

पूर्वोत्तर को विमानन केन्द्र बनाने का सरकार का दृष्टिकोण : केन्द्रीय विमानन मंत्री नायडू

ईटानगर/भाषा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार का दृष्टिकोण पूर्वोत्तर को भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने वाला साजो-सामान और विमानन केन्द्र बनाने का है।

तीसरे 'पूर्वोत्तर विमानन शिखर सम्मेलन एवं क्षेत्रीय मंत्री सम्मेलन' को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि वर्ष 2014 में जहां क्षेत्र में केवल नौ हवाई अड्डों का परिचालन किया जाता था, वहीं आज यह संख्या 16 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा, वर्ष 2047 तक भारत में 350 से अधिक हवाई अड्डे संचालित होंगे और इस विकास में पूर्वोत्तर केंद्र में होगा। नायडू ने कहा, विमानों की आवाजाही 2014 में 51 हजार से बढ़कर 2024 में 96 हजार से ज्यादा हो गई जो हवाई यात्रा की मांग में तेजी और यात्रियों के भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी से अंतरराष्ट्रीय यातायात पिछले एक साल में पांच गुना बढ़ा है, जिसका बड़ा कारण थाईलैंड की ओर जानी वाली नई अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं हैं।

नायडू ने कहा कि उड़ान क्षेत्रीय संपर्क योजना को संशोधित रूप में अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने इसे क्षेत्रीय विमानन विकास का सबसे बड़ा उत्प्रेरक बताया। उन्होंने बताया कि 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 700 से अधिक नए मार्गों को जोड़ा गया है, जिनमें उत्तर-पूर्व के दुर्गम इलाके भी शामिल हैं। इस मौके पर अरुणाचल प्रदेश के नागरिक उड्डयन मंत्री बालो राजा ने केंद्र से राज्य में हवाई पहुंच मजबूत करने की अपील की। उन्होंने तेजू हवाई अड्डा और जीरो, आलो, पासीघाट, तुतिंग, वालोंग, विजय नगर और मचुका जैसे एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) पर रनवे विस्तार और इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की आवश्यकता बताई। उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से डोनी पोलो और तेजू हवाई अड्डों पर सीआईएसएफ कर्मियों की तत्काल तैनाती की भी मांग की। वर्तमान में इन हवाई अड्डों की सुरक्षा राज्य पुलिस के हवाले है। मंत्रालय से अनुरोध है कि वह उचित आवास सुविधाओं के साथ सीआईएसएफ कर्मियों की शीघ्र तैनाती पर विचार करे। अरुणाचल मंत्री ने स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए पूर्वोत्तर में हेलीकॉप्टर एंबुलेंस सेवा शुरू करने का भी प्रस्ताव रखा। मंत्री ने विमानन के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। सम्मेलन में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदोमा, असम के मंत्री जोगेन मोहन, सिक्किम के पर्यटन मंत्री शेरिंग थेंडुप भूटिया, राज्य के मुख्य सचिव मनीष कुमार गुप्ता, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अध्यक्ष विपिन कुमार समेत पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के अधिकारी और विमानन प्रतिनिधि मौजूद थे।

शिक्षकों को छात्रों को संस्कृति से जोड़कर भविष्य के नेताओं के रूप में तैयार करना चाहिए: गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को शिक्षकों से स्कूली बच्चों को स्वदेशी रहन सहन, प्रकृति संरक्षण और देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़कर उन्हें भविष्य के नेता के रूप में तैयार करने का आह्वान किया।

एनडीएमसी की ओर से आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दिल्ली की समस्याओं के समाधान और यमुना के पुनरुद्धार के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

पांच सितंबर को मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर उन्होंने कहा, स्कूली बच्चों को यह जानने की जरूरत है कि स्वदेशी का क्या अर्थ है और दूसरे देशों में निर्मित सामान खरीदने से स्थानीय व्यवसायों पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक प्रकृति से जुड़ने, जल संरक्षण, पेड़ों की कटाई रोकने और नदियों व पहाड़ों के महत्व को समझने में भी छात्रों की मदद कर सकते हैं।

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के लोगों को शहर को बेहतर बनाने और यमुना के पुनरुद्धार के लिए सामूहिक प्रयास करने चाहिए, क्योंकि इसकी वर्तमान स्थिति के लिए सभी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, अगर यमुना मेरे सामने आए तो मैं उससे माफी मांगूंगी क्योंकि हम सभी उसकी प्रदूषित स्थिति और उसमें बहने वाले गंदे पानी के लिए जिम्मेदार हैं। हमें इसे सुधारने के लिए एक साथ आना होगा।

चूहों के काटने से बच्चियों की मौत हत्या है, प्रधानमंत्री और मोहन यादव शर्म करें : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में चूहों के काटने से दो नवाजत बच्चियों की मौत को बृहस्पतिवार को ''हत्या'' करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को शर्म से सिर झुका लेना चाहिए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को सरकार चलाने का क्या हक है जो नवजात बच्चों की सुरक्षा तक नहीं कर सकते। इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में चूहों के काटने से दो नवाजत बच्चियों की मौत हो गई है। हालांकि, एमवायएच प्रशासन ने इससे इनकार किया है। उसका दावा है कि दोनों नवजात बच्चियों की मौत के मामले का चूहों के काटने से कोई लेना-देना नहीं है।

राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, इंदौर में मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत हुई। यह कोई दुर्घटना नहीं, यह सीधे-सीधे हत्या है। यह घटना इतनी भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील है कि इसे सुनकर ही रूह कांप जाए। उन्होंने कहा कि एक मां की गोद से उसका बच्चा छिन गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि सरकार ने अपनी सबसे बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

तलाक विवाद में व्यक्ति ने पत्नी को सरेआम मारी गोली, कहा- 'कोई पछतावा नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर जिले के शाहपुर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना में एक व्यक्ति ने आपसी विवाद के बाद भीड़ भरे बाजार में सरेआम अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक विश्वकर्मा चौहान नामक व्यक्ति का अपनी पत्नी ममता (35) से तलाक को लेकर विवाद था और बुधवार शाम शाहपुर के एक भीड़ भरे बाजार में उसने तलाक के मामले को लेकर हुई तीखी बहस के बाद अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी वारदात के बाद भागा नहीं। बाद में उसने पुलिस को बताया कि उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम करीब साढ़े सात बजे ममता काम से लौटते समय शाहपुर इलाके में एक फोटो स्टूडियो में रुकी थी। इसी बीच पीछा कर रहे उसके पति विश्वकर्मा से उसका सामना हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों के बीच बहस हुई और आपसी धक्का-मुक्की के बाद विश्वकर्मा ने पिस्टल निकाली और ममता को दो गोलियां मार दीं। एक गोली उसके सीने में और दूसरी हाथ में लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूत्रों के मुताबिक घटना के बाद विश्वकर्मा मौके पर ही खड़ा रहा। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ में उसने कहा कि उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है।

गिल और अभिषेक के लिए युवी की अनोखी सलाह, गोल्फ खेलें और रनों की संख्या बढ़ाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के दो बार के विश्व कप विजेता हीरो युवराज सिंह का कहना है कि गोल्फ उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कम से कम 3,000 और रन बनाने में मदद कर सकता था और उन्होंने अपने शिष्यों शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को इस खेल को अपनाने की सलाह भी दी।

पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने क्रिकेट करियर पर गोल्फ के प्रभाव पर जोर देते हुए पहले कहा था कि जब वह क्रिकेट खेलते थे, तब उन्होंने गोल्फ खेला होता तो वे क्रिकेट में अतिरिक्त 2000 रन बना सकते थे। युवराज ने 'आईजीपीएल टूर' कार्यक्रम के लांच के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, मैं कपिल पाजी से सहमत हूं, उन्होंने 2000 कहा था, पर मैं 3000 और रन बना सकता था। अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नियम बदल गए हैं। क्रिकेट में आपको दूसरा मौका नहीं मिलता। गोल्फ में आप एक खराब शॉट खेलते हैं, फिर भी आप एक अच्छा शॉट मारकर वापसी कर सकते हैं। भारत की 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले 43 वर्षीय युवराज आईजीपीएल के सह मालिक और ब्रांड दूत के तौर पर मीडिया को संबोधित कर रहे थे। युवराज ने कहा, अगर आप आउट हो जाते हैं तो आप कमरे में बैठकर अगले मैच के बारे में सोचते रहते हैं। लेकिन अगर मैच का दूसरा दिन होता तो आप आउट होकर अपने दोस्तों के साथ गोल्फ खेल सकते हैं। आप किसी मैच में तरोताजा होकर जाते हैं। कभी कभार कोई दूसरा खेल खेलना और फिर तरोताजा होकर वापस आना अच्छा होता है। उन्होंने कहा, मैं सभी युवा क्रिकेटरों से कहता हूं कि गोल्फ खेलने की कोशिश करो, गेंद को हिट करो, देखो कैसा महसूस होता है। क्योंकि ज्यादा अभ्यास भी अच्छा नहीं होता है। यह पूछने पर कि क्या उन्होंने अपने शिष्यों (गिल और अभिषेक) को क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान गोल्फ खेलने के लिए कहा है तो युवराज ने कहा, मैंने उन्हें गोल्फ खेलने के लिए कहा है और मैं उन्हें खेलने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। समय निकालना मुश्किल है, लेकिन मुझे लगता है कि आईपीएल के दौरान वे समय निकाल सकते हैं। युवराज ने कहा, यह उन पर निर्भर करता है। अब वे खेल के सुपरस्टार हैं और उन्हें यह तय करना होगा कि उन्हें बेहतर बनने में क्या मदद करेगा। अगर गोल्फ कुछ कर सकता है तो उन्हें यह तय करना होगा।

टीम में अंदर बाहर होते रहना निराशाजनक था : अमित मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास ले लिया और उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान दो अलग दौर का सामना किया।

पहला दौर महान स्पिनर अनिल कुंबले की जगह लेने के साथ उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं के भारी दबाव से निपटने में बीता तो दूसरा दौर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के आने से हुई प्रतिस्पर्धा से निपटने का रहा।

इसमें से ऑफ स्पिनर अश्विन जहां महेंद्र सिंह धोनी की योजना का हिस्सा रहे तो वहीं जडेजा विराट कोहली की रणनीति के अनुकूल रहे। लेकिन लेग ब्रेक गेंदबाजी करने वाले और शानदार गुगली फेंकने वाले मिश्रा को अश्विन और जडेजा के साथ तीसरे विकल्प के रूप में काफी कम इस्तेमाल किया जाता।

मिश्रा ने 22 टेस्ट में 76 विकेट लिए हैं। उन्होंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद पीटीआई वीडियो से कहा, यह बहुत निराशाजनक चीज थी। कभी आप टीम में होते हैं, कभी बाहर। कभी आपको अंतिम एकादश में खेलने का मौका मिलता, कभी नहीं। निश्चित रूप से यह निराशाजनक है। इसमें कोई शक नहीं कि मैं कई बार निराश हुआ। उन्होंने कहा, लेकिन आपका सपना तो भारत के लिए क्रिकेट खेलना होता है। आप राष्ट्रीय टीम के साथ हो और लाखों लोग टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हो। आप भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में से एक हो तो मैंने सकारात्मक बने रहने की कोशिश की।

अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम में अंदर-बाहर होते रहना मानसिक रूप से मुश्किल था। उन्होंने कहा, जब भी मैं निराश होता था तो मैं यही सोचता कि मैं कहां सुधार कर सकता हूं। चाहे वह मेरी फिटनेस हो, बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, मैंने हमेशा बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित किया। जब भी मुझे भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला, मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। मैं इससे बहुत खुश हूं। मैं कभी कड़ी मेहनत से पीछे नहीं हटा।

सुविचार

साहस और धैर्य एक साथ मिलकर असंभव को संभव बनाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनता के लिए बहुत बड़ी राहत

केंद्र सरकार ने जीएसटी दरों में बदलाव कर आम जनता को बहुत बड़ी राहत दी है। इससे महंगाई काबू में आएगी और लोगों की ज़िंदगी आसान होगी। देशवासी लंबे अरसे से यह उम्मीद कर रहे थे कि सरकार कोई ऐसी घोषणा करे, जिससे आर्थिक मोर्चे पर हालात बेहतर हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 15 अगस्त को लाल किले से 'अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार' की घोषणा की थी। अब जीएसटी परिषद ने जिन सुधारों को मंजूरी दी है, वे नागरिकों का जीवन स्तर बेहतर बनाएंगे। इसे दीपावली से पहले एक बड़ा उपहार समझना चाहिए। इन घोषणाओं को लागू करने से लोगों का जीवन खुशहाल होगा और 'आत्मनिर्भर भारत' बनेगा। ये घोषणाएं मांग में वृद्धि करेंगी। शैंपू, हेयर ऑयल, टूथपेस्ट, टूथब्रश, टॉयलेट सोप, शेविंग क्रीम, मक्खन, घी, चीज़ आदि को 5 प्रतिशत स्लैब में लाने से लोगों को सुविधा होगी। सिलाई मशीन और उसके पुर्जों को इसी स्लैब में शामिल करने से सिलाई उद्योग को फायदा मिलेगा। सरकार ने नक्शों, चार्ट, ग्लोब, पेंसिल, शार्पनर, इरेजर, एक्सरसाइज बुक और नोटबुक पर पूरी तरह छूट देकर शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। केंद्र सरकार यूं तो किसानों के कल्याण के लिए समय-समय पर कई घोषणाएं करती रहती है। उसने जीएसटी दरों में जो बदलाव किया है, उसमें भी किसानों का ध्यान रखा है। ट्रैक्टर और उसके पुर्जों एवं टायरों को 5 प्रतिशत स्लैब में लाने का फैसला खेती पर बढ़ते आर्थिक दबाव को कम करेगा। फसल बुआई और कटाई के दिनों में ट्रैक्टर पर खर्च बढ़ जाता है। कर दरों में बदलाव से किसान के लिए ट्रैक्टर खरीदना और उसका रखरखाव करना सस्ता हो जाएगा।

सीमेंट पर जीएसटी घटाकर 18 प्रतिशत करने से भवन निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, जो लाखों लोगों को रोजगार देता है। इससे घर बनाने का सपना भी पूरा होगा। सरकार ने 33 जीवनरक्षक दवाइयों पर जीएसटी को घटाकर शून्य कर दिया, जो सराहनीय है। कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर दीर्घकालिक रोगों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 3 जीवनरक्षक दवाइयों पर जीएसटी शून्य होने से रोगियों और उनके परिवारों को बहुत राहत मिलेगी। 350 सीसी या उससे कम सीसी वाली छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से कम एवं मध्यम आय वाले परिवारों के लिए वाहन खरीदना आसान हो जाएगा। बस, ट्रक जैसे वाहनों पर जीएसटी घटाकर 18 प्रतिशत करने से इनके संचालन से जुड़े व्यवसायों को फायदा मिलेगा। यूएचटी दूध, पहले से पैक और लेबल वाले छेना या पनीर पर जीएसटी 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने से आम परिवारों के लिए गुजारा करना आसान हो जाएगा। सभी भारतीय ब्रेड (चपाती, पराठा, परोटा आदि) से भी जीएसटी हटाने से करोड़ों परिवार हर महीने काफी राशि बचाने में समर्थ होंगे। जब सस्ती और सुलभ चीजें बाजार में मिलेंगी तो पोषण का स्तर बढ़ेगा। पैकेज्ड नमकीन, भुजिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, कॉर्नफ्लेक्स आदि पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत करने से आम आदमी का खानपान और लज़ीज़ हो जाएगा। सभी निजी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों और उनके पुनर्बीमा पर जीएसटी से छूट देने से बीमा कवरेज को बढ़ाने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने अपनी ओर से तो जनता को काफी फायदा पहुंचाने की कोशिश की है, लेकिन उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि जीएसटी सुधार धरातल पर दिखाई दें। ऐसा न हो कि कंपनियां खुद तो जीएसटी छूट ले लें और जनता पहले की तरह महंगाई की चक्की में पिसती रहे।

ट्वीटर टॉक

इंदौर में मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत – यह कोई दुर्घटना नहीं, यह सीधी-सीधी हत्या है। यह घटना इतनी भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील है कि इसे सुनकर भी रूह कांप जाए।

-राहुल गांधी

अमेरिका द्वारा लगाए गए 50% टैरिफ से राजस्थान के उद्योग, रोजगार और छोटे व्यवसाय गहरे संकट में हैं। राज्य के प्रमुख उद्योग हैंडीक्राफ्ट, जेम्स ज्वेलरी, टेक्सटाइल और अन्य निर्यात आधारित क्षेत्र इस निर्णय से प्रभावित हो रहे हैं।

-सचिन पायलट

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 15 अगस्त को जो वादा किया था, उसके अनुरूप जीएसटी में जो बदलाव किए गयें हैं, वह स्वागत योग्य है। इससे देशवासियों को राहत मिलेगी। केंद्र सरकार का यह कदम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास को दर्शाता है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

सज़ा की तार्किकता

गृहयुद्ध के समय एक युवा सैनिक विलियम स्कॉट गश्त के दौरान थकान से चूर होकर सो गया। सैन्य अनुशासन के अनुसार इसकी सजा मौत थी। सैनिक अदालत ने उसे फांसी की सजा सुना दी। जब यह खबर राष्ट्रपति लिंकन तक पहुंची, तो उन्होंने तुरंत मामले की फाइल मंगवाई। लिंकन ने अधिकारियों से पूछा, 'क्या यह सच है कि यह युवक लगातार दो रात गश्त पर रहा और तीसरी रात नींद से हार गया?' अधिकारी बोले, 'हां, सर।' लिंकन ने गहरी सांस ली और कहा, 'तो फिर दोष उसका नहीं, थकान का है। मैं नहीं मानता कि अमेरिका अपने ही बेटे को सिर्फ सो जाने की वजह से गोली से मार दे।' उन्होंने सजा को माफ कर दिया और सैनिक को वापस उसकी यूनिट में भेज दिया। कुछ महीनों बाद वही सैनिक एक युद्ध में वीरतापूर्वक लड़ा और अपने साथियों की जान बचाई। युद्ध के बाद उसने कहा, 'अगर राष्ट्रपति ने उस दिन मुझे क्षमा न किया होता, तो आज यह बलिदान संभव न होता।'

सामयिक

भाषाई अभद्रता के चरम पर भारतीय राजनीति

संदीप सृजन

मोबाइल : 9406649733

भारतीय राजनीति का इतिहास विचारों की टकराहट, वैचारिक बहस और लोकतांत्रिक मूल्यों से समृद्ध रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीतिक संवाद में भाषाई अभद्रता एक गंभीर समस्या बनकर उभरी है। नेताओं के बीच नीतियों और विकास पर चर्चा की जगह व्यक्तिगत हमले, अपशब्द, और जातिगत-लैंगिक अपमान बढ़ते जा रहे हैं। यह न केवल राजनीतिक संस्कृति को दूषित कर रहा है, बल्कि सामाजिक एकता को भी कमजोर कर रहा है। हाल ही में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। भाषाई अभद्रता से तात्पर्य उन भाषणों और टिप्पणियों से है जो अपशब्दों, व्यक्तिगत हमलों, जातिगत-धार्मिक अपमानों, और लैंगिक टिप्पणियों से भरे होते हैं। यह भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया और चौबीस घंटे न्यूज चैनलों के युग में यह चरम पर पहुंच गई है। पहले जहां नेताओं के बीच नीतिगत बहसें हुआ करती थीं, वहीं अब व्यक्तिगत हमले और अपशब्द सामान्य हो गए हैं।

बिहार के दरभंगा में इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी, के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की गई। एक वायरल वीडियो में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हिंदी में अपशब्दों का इस्तेमाल करते सुना गया। इस मंच पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, और तेजस्वी यादव के पोस्टर थे, हालांकि ये नेता उस समय मंच पर मौजूद नहीं थे। इस घटना ने भारतीय जनता पार्टी को आक्रामक रुख अपनाने का मौका दिया। बीजेपी ने इसे लोकतंत्र पर धब्बा और महिला विरोधी मानसिकता का उदाहरण बताते हुए कड़ी निंदा की। बीजेपी ने पटना के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की और राहुल गांधी से माफी की मांग की। बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, राहुल गांधी, आप जिस तरह की भाषा और अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं या मंच से करवा रहे हैं, वह असहनीय है। आपको इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ के उद्घाटन के दौरान इस घटना पर भावुक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मां हमारा संसार है, मां हमारा स्वाभिमान है। मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, फिर उन्हें क्यों गाली दी गई? यह न केवल मेरी मां का अपमान है, बल्कि देश की हर मां, बहन और बेटी का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस अपमान को माफ कर सकते हैं, लेकिन बिहार की जनता ऐसा नहीं करेगी। कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई थी, जिसका पार्टी से कोई संबंध नहीं है। स्थानीय युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद नौशाद ने माफी मांगी और कहा कि ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि, बीजेपी ने इसे विपक्ष की संस्कृति विरोधी और महिला विरोधी मानसिकता का हिस्सा बताया। यह घटना अकेली नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही भाषाई अभद्रता के दोषी रहे हैं।

आजकल सोशल मीडिया ने नेताओं को वायरल होने की होड़ में अपशब्दों का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया है। ट्वीट्स और वायरल वीडियो तुरंत ध्यान खींचते हैं, जिससे नेताओं का ध्यान नीतिगत मुद्दों से हटकर व्यक्तिगत हमलों पर चला जाता है। सत्ता और विपक्ष के बीच गहरा ध्रुवीकरण है। विपक्ष को घुसपैठिए या देशद्रोही और सत्ता को तानाशाह जैसे शब्दों से नवाजा जाता है, जो वैमनस्य को बढ़ाता है। न्यूज चैनल और डिबेट शो भाषाई अभद्रता को बढ़ावा देते हैं। भाषाई अभद्रता के प्रभाव गहरे और दीर्घकालिक हैं। अपशब्द और व्यक्तिगत हमले समाज में जातिगत, धार्मिक और लैंगिक तनाव को बढ़ाते हैं। बिहार की घटना में, मां के खिलाफ टिप्पणी को हर मां का अपमान बताकर बीजेपी ने इसे सामाजिक मुद्दा बना दिया। राजनीतिक संवाद का स्तर गिरने से जनता का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थानों पर कम होता है। लोग नेताओं को आदर्श के रूप में देखना बंद कर देते हैं। अधिकांश अपशब्द लैंगिक या जातिगत होते हैं, जिससे महिलाएं और अल्पसंख्यक समुदाय विशेष रूप से प्रभावित होते हैं।

अपशब्दों और अपमानजनक टिप्पणियों के लिए कड़े कानून बनाए जाने चाहिए। बिहार में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जो एक सकारात्मक कदम है। न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने से रोकना चाहिए। एक स्वतंत्र निगरानी समिति बनाई जा सकती है। नेताओं को अपनी भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण रखना चाहिए। जैसा कि पत्रकार रजत शर्मा ने अपने ट्वीट में कहा, लफ्जों का इस्तेमाल शालीनता से अपनी बात कहने के लिए करना चाहिए, न कि गाली देने के लिए। चुनाव आयोग को ऐसी घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, जैसे कि प्रचार पर प्रतिबंध या उम्मीदवारी रद्द करना। जनता को शिक्षित करने की जरूरत है कि वे ऐसे नेताओं का समर्थन न करें जो अपशब्दों का सहारा लेते हैं। बिहार में प्रधानमंत्री की मां के खिलाफ टिप्पणी और अन्य हाल की घटनाएं भारतीय राजनीति में भाषाई अभद्रता की गंभीरता को दर्शाती हैं। यह केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है। अगर इसे रोका नहीं गया, तो यह लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर सकता है। नेताओं, मीडिया और जनता को मिलकर इस प्रवृत्ति को रोकना होगा, ताकि राजनीति फिर से सेवा और विचारों का मंच बन सके। बिहार की जनता से प्रधानमंत्री की अपील, इस अपमान को मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन बिहार की धरती नहीं करेगी, इस बात का संकेत है कि यह मुद्दा अब केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ गया है।

मुद्दा

समाज की बुराइयों से लड़ सके, वही सच्चा शिक्षक

नन्द किशोर अगवाल

मोबाइल : 9945395760

शिक्षक को समाज में माता-पिता समान ईश्वर का रूप माना जाता है। शिक्षक त्याग, समर्पण और न्याय की वह मसाल है, जो स्वयं जलकर विद्यार्थियों को यश मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रकाशमान होती है। शिक्षक के कला-गुणों पर ही देश का उज्ज्वल भविष्य तैयार होता है, और यही है सच्चे शिक्षक की पहचान। 5 सितंबर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जीवन काल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। 1962 से, जब वे देश के राष्ट्रपति बने, तब से प्रतिवर्ष 5 सितंबर को उनके जन्मदिन पर देश में 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है।

ऐसे अनगिनत महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने देश की जनता की समस्याओं को अपनी समस्या समझकर देश व समाज की सेवा में अपना सर्वश्रेष्ठ निछावर कर दिया, जिसमें शिक्षा का क्षेत्र भी प्रमुख है। देश में महिला शिक्षा की पहली लौ जलाने वाली महान समाज सुधारक सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले थी, जिन्होंने महिला शिक्षा को सफल बनाने के लिए कई कठिनाइयों से संघर्ष किया, साथ ही उन्हें

भयंकर सामाजिक विरोध का सामना भी करना पड़ा। लोग उन पर कीचड़, पत्थर, गोबर फेंकते थे, मारते थे, गालियां देते थे, श्राप देते थे, तिरस्कार और घृणा की दृष्टि से देखते थे। इतने असहनीय अत्याचारों के बावजूद उन्होंने अपने पति ज्योतिबा फुले की मदद से लड़कियों के लिए देश का पहला स्कूल खोला। नारी शक्ति सदैव उनकी ऋणी रहेगी। सोचिए जरा आज समाज में कितने शिक्षक हैं जो महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और डॉ. राधाकृष्णन जैसा संघर्ष करके समाज में फैली बुराइयों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने के लिए तत्पर है और आदर्श पीढ़ी के शिक्षक कहलाने के काबिल हैं।

नजरिया

शिक्षक ज्ञानवान ही नहीं, चरित्रवान पीढ़ी का निर्माण करें

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

शिक्षक ही सभ्यता और संस्कृति के असली शिल्पी होते हैं। विज्ञान, तकनीक और राजनीति चाहे जितनी प्रगति कर लें, यदि शिक्षा और शिक्षक दिशा न दें तो मानवता दिशाहीन हो जाती है। इसी कारण 5 सितम्बर को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाने की परंपरा आरंभ हुई। भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन 5 सितंबर को होता है, जो भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य समाज में शिक्षक के महत्व, उनके योगदान और मार्गदर्शक भूमिका को सम्मान देना है। यह अवसर विद्यार्थियों और समाज को याद दिलाता है कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले ही नहीं बल्कि आदर्श, प्रेरक और चरित्र-निर्माता भी होते हैं। आज जबकि नया भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत निर्मित हो रहा है, तब शिक्षकों की भूमिका अधिक प्रासंगिक हो गयी है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर 1888 को आंध्र प्रदेश के तिरुत्तनी में हुआ था। वे एक महान दार्शनिक, विद्वान, शिक्षक और राजनेता थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और कलकत्ता विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया। उनकी पुस्तकें 'इंडियन फिलोशॉफी' 'दी हिन्दू व्यूह ऑफ लाइफ' और 'दी आइडलिस्ट ऑफ लाइफ' विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हुईं। वे 1952 से 1962 तक भारत के उपराष्ट्रपति और 1962 से 1967 तक भारत के राष्ट्रपति रहे। उन्हें 1954 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जब वे राष्ट्रपति बने तो उनके कुछ शिष्यों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा व्यक्त की। इस पर उन्होंने विनम्रता से कहा कि यदि आप लोग मेरे जन्मदिन को विशेष रूप से मनाना चाहते हैं तो उसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाइए। तब से ही 5 सितम्बर राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। डॉ. राधाकृष्णन का संदेश यही था कि शिक्षक समाज की रीढ़ हैं और उनका सम्मान करना ही वास्तविक राष्ट्र निर्माण है। निश्चित ही शिक्षकों का यह सम्मान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य का घोषणापत्र है।

यह दिवस राष्ट्र को शिक्षा, विज्ञान, शांति एवं प्रगति का सन्देश देने के लिए कृत संकल्पित है। भारत का इतिहास शिक्षा की गौरवमयी परंपरा से जुड़ा है। प्राचीन समय से भारत शिक्षा का बड़ा केन्द्र रहा है और उसने संसार में जगतगुरु की भूमिका निभाई है। नालंदा और तक्षशिला जैसे

विश्वविद्यालयों ने भारत को जगतगुरु का दर्जा दिलाया। महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा था-व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है और यह केवल निःस्वार्थी एवं जागरूक शिक्षक ही कर सकता है। यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि शिक्षक केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि जीवन का मार्गदर्शक है। प्राचीन भारतीय दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य सा विद्या या विमुक्तये' रहा है, अर्थात शिक्षा वही है जो मुक्ति दिलाए। लेकिन आधुनिक परिप्रेक्ष्य में यह 'सा विद्या या नियुक्तये' बन गई है अर्थात शिक्षा वही है जो नौकरी दिलाए। यही कारण है कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ने के बावजूद समाज में अपराध और भ्रष्टाचार भी बढ़ रहे हैं।

महात्मा गांधी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है-एक स्कूल खुलेगा तो सौ जेलें बंद होंगी। परन्तु आज स्थिति इसके विपरीत है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने इस दृष्टिकोण को बदलने का प्रयास किया है। इसमें केवल क्या पढ़ना है पर ही नहीं, बल्कि कैसे पढ़ना है, इस पर भी जोर दिया गया है। आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान, उद्यमशीलता और नैतिकता को शिक्षा के केंद्र में रखा गया है। लेकिन इन सभी का केन्द्रबिंदु शिक्षक ही है। यदि शिक्षक प्रेरणाहीन, निरुत्साहित या असंवेदनशील होंगे तो कोई भी नीति सफल नहीं हो सकती। शिक्षा केवल किताबों और पाठ्यक्रम से नहीं, बल्कि शिक्षक की जीवंत उपस्थिति से सार्थक होती है। पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था-अगर कोई देश भ्रष्टाचार मुक्त है और सुंदर दिमागों का राष्ट्र बन गया है, तो उसके लिए तीन प्रमुख व्यक्ति जिम्मेदार होंगे-पिता, माता और शिक्षक। यह कथन शिक्षक के महत्व को सर्वोच्च स्थान पर स्थापित करता है। भारत अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है। 2047 तक विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब हमारे शिक्षक नई पीढ़ी को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि चरित्रवान भी बनाएंगे।

राष्ट्रीय स्तर पर भी शिक्षा की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। नेल्सन मंडेला ने कहा था-शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिससे दुनिया बदली जा सकती है। युद्ध और आतंक के बीज मानव मस्तिष्क में जन्म लेते हैं, इसलिए बचपन से ही शांति और सह-अस्तित्व के बीज बोने होंगे। बच्चों को अपने देश से प्रेम के साथ विश्व-प्रेम यानी मानवता का पाठ सिखाना होगा, तभी दुनिया से युद्ध, हिंसा, आतंक का खात्मा होगा। भारतीय संस्कृति का वसुधैव कुटुम्बकम् मूल मंत्र इसमें सहायक बन सकता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि शिक्षा और शिक्षक दोनों का स्वरूप धीरे-धीरे मिशन से व्यवसाय की ओर झुकता जा रहा है। ज्ञान की बोली लग रही है, शिक्षक और छात्र के संबंधों में अविश्वास और हिंसा की खबरें बढ़ रही हैं। शिक्षा का व्यापारीकरण रोकने और उसे मानवीय मूल्यों से जोड़ने की जिम्मेदारी सबसे पहले शिक्षकों पर ही आती है। आज आवश्यकता केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी है। अच्छे पाठ्यक्रम, नई तकनीक और आधुनिक संस्थानों की व्यवस्था तभी सार्थक है जब उनके केंद्र में ऐसे शिक्षक हों, जो छात्रों को प्रेरणा दें, जो उनके सर्वांगीण विकास का माध्यम बनें। खेत, बीज और उपकरण के रहते हुए किसान न हो तो सब बेकार है। उसी प्रकार, विद्यालय, पाठ्यक्रम और तकनीक के रहते हुए यदि शिक्षक नहीं हैं तो सब निरर्थक है। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था-सर्वांगीण विकास का अर्थ है हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। शिक्षक ही ऐसे व्यक्तित्व गढ़ते हैं। शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

भारत की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को केवल साक्षर बनाना नहीं, बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का विकास करना है। 2030 तक स्कूली शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य इसी दृष्टि से रखा गया है। किंतु संसाधनों की कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों की अनुपलब्धता और बदलते सामाजिक परिवेश की चुनौतियां इस दिशा में बड़ी बाधाएं हैं। इसके बावजूद भारत में शिक्षा की परंपरा इतनी प्राचीन और समृद्ध रही है कि विदेशी विद्वान भी इसकी प्रशंसा करते आए हैं। एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है-भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका भले ही बदली हो, लेकिन उनका महत्व एवं व्यक्तित्व-निर्माण की जिम्मेदारी अधिक प्रासंगिक हुई है। क्योंकि सर्वतोमुखी योग्यता की अभिवृद्धि के बिना युग के साथ चलना और अपने आपको टिकाए रखना अत्यंत कठिन होता है। फौलाद-सा संकल्प और सब कुछ करने का सामर्थ्य ही व्यक्तित्व में निखार ला सकता है। शिक्षक ही ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण करते हैं। आर्थिक आपाधापी, आतंक, युद्ध एवं हिंसा के आधुनिक युग में शिक्षकों की भूमिका बहुत अधिक महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि वे छात्रों को न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन में जरूरी कौशल भी सिखाते हैं। शिक्षक छात्रों के साथ सहयोग करते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों एवं शांतिपूर्ण जीवन के बारे में भी समझाते हैं जो एक अच्छे नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये शिक्षक को ऐसे छात्र तैयार करने होंगे जो वैज्ञानिक-आध्यात्मिक हो, जिनमें बौद्धिकता एवं भावनात्मकता के साथ शारीरिक एवं मानसिक विकास हो। शिक्षक दिवस 2025 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए कि शिक्षक केवल पेशेवर नहीं, बल्कि समाज की आत्मा के निर्माता हैं। भारत यदि पुनः विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे केवल नई शिक्षा नीति ही नहीं, बल्कि निष्ठावान और दूरदर्शी शिक्षकों की फौज तैयार करनी होगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आईटीआई लि. को दो परियोजनाओं के लिए जीआईपीएल से पैनलबद्धता हासिल हुई

बेंगलूरु/गांधीनगर/दक्षिण भारत। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने गुज इन्फो पेट्रो लिमिटेड (जीआईपीएल) की ओर से आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सिस्टम इंटीग्रेटर के रूप में पैनलबद्धता हासिल की है। यह दो बड़ी पहलों के लिए है, जिनमें आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्यान्वयन और गांधीनगर में अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा परिचालन केंद्र (एसओसी) की स्थापना शामिल है। पैनलबद्धता की अवधि एलओआई की प्राप्ति की तारीख से 36 महीने है। परियोजना का मूल्य लगभग 110 करोड़ रुपए है।

आईटीआई लि. जीआईपीएल के लिए सिस्टम इंटीग्रेटर के रूप में काम करेगी और विभिन्न परियोजनाओं में अत्याधुनिक आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस देगी। आईटीआई लि. को गांधीनगर के इन्फोसिटी स्थित जीआईपीएल के डेटा सेंटर में एक व्यापक एसओसी की स्थापना, निगरानी और प्रबंधन के लिए भी सूचीबद्ध किया गया है। यह अनुबंध आईटीआई लि. को मजबूत आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को डिजाइन और तैनात करके विश्वसनीय, आधुनिक डिजिटल वातावरण के साथ सरकारी और उद्यम क्लाइंट्स को सशक्त बनाकर डिजिटल परिवर्तन में आगे रखने में सहायक सिद्ध होगा।

एसओसी डिजिटल परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए उन्नत साइबर सुरक्षा परिचालन का प्रभार संभालेगा और जीआईपीएल के महत्त्वपूर्ण डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर निर्बाध, सुरक्षित सेवाएं सुनिश्चित करेगा। इन दो अनुबंधों के साथ, आईटीआई लि. अहमदाबाद सार्वजनिक क्षेत्र के क्लाइंट्स और जीआईपीएल के भागीदारों के लिए डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाकर डिजिटल आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाकर गुजरात में तेजी से विकसित हो रहे आईटी पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख भूमिका निभाएगी।

जीआईपीएल की इस परियोजना का मकसद राज्य के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में साइबर सुरक्षा को मज़बूत करके सक्रिय साइबर जोखिम निगरानी, प्रबंधन और प्रतिक्रिया के मानकों को बेहतर बनाना भी है। आईटीआई लि. एक सुरक्षित, कनेक्टेड और डिजिटल रूप से सशक्त शासन और व्यावसायिक वातावरण की दिशा में गुजरात की यात्रा में सहयोग करेगी। इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'हमें जीआईपीएल के साथ साझेदारी से खुशी हो रही है। सफल पैनलीकरण हमारे क्लाइंट्स के लिए विश्वसनीय और प्रभावी आईटी समाधान प्रदाता के रूप में आईटीआई की स्थिति को दर्शाता है। यह महत्त्वपूर्ण अवसर पेश करता है और हम गुजरात में अपने पंख फैलाने के लिए उत्साहित हैं।'

राय ने कहा, 'जीआईपीएल के साथ आईटीआई लि. की पैनलबद्धता एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि आईटीआई चुनौतीपूर्ण साइबर सुरक्षा एसओसी खंड में प्रवेश करेगी। यह उपलब्धि क्लाइंट्स को सर्वोत्तम तकनीकी सॉल्यूशंस देने के लिए आईटीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को किफ़ायती और अत्याधुनिक सॉल्यूशन देकर उन्हें संतुष्ट करना है।' आईटीआई लि. वर्तमान में गुजरात में 1,200 करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं को संभाल रही है। उसने गुजरात एसपीवी, जीएफजीएनएल के माध्यम से गुजनेट परियोजना के पैकेज-ए के तहत 4,271 ग्राम पंचायतों को जोड़कर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को सफल बनाया है।

ए आर रहमान और हैंस जिमर मिलकर 'रामायण' का संगीत तैयार करेंगे

मुंबई/भाषा। फिल्मकार नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का संगीत दुनिया के दो दिग्गज संगीतकार ए आर रहमान और हैंस जिमर मिलकर तैयार करेंगे। रहमान का कहना है कि जिमर के साथ वे इस फिल्म के लिए ऐसा पार्श्व संगीत तैयार करेंगे जो अलग होने के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से भी महत्वपूर्ण होगा। दोनों संगीतकार 'रामायण' के संगीत के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यह फिल्म संस्कृत महाकाव्य 'रामायण' पर आधारित है, जिसका निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं।

प्राइम फोकस स्टूडियो के नमित मल्होत्रा इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेता रणबीर कपूर भगवान राम, साईं पल्लवी देवी सीता और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे।

रहमान ने जिमर के साथ काम करने के अनुभव के बारे में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हैंस जिमर एक शानदार संगीतकार हैं, जिन्होंने बेहतरीन काम किया है। मैं उन्हें 2009 से जानता हूं ...। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्होंने मुझे पहले भी संगीत तैयार करने का निमंत्रण दिया था, लेकिन तब मैं दूसरे कामों में व्यस्त था।

दो बार ऑस्कर पुरस्कार जीत चुके जिमर ने 'द लॉयन किंग, ग्लेडिएटर, पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन, इनसेप्शन, इंटरस्टेलर, द डार्क नाइट राइज़ेस' और 'ड्यून' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में संगीत दिया है। वर्ष 2008 की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के लिए दो ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाले रहमान ने उन्हें और जिमर को साथ लाने का श्रेय नमित मल्होत्रा को दिया। रहमान ने कहा, अब तक हमारी मुलाकात बहुत अच्छी रही है। हम तीन-चार बार मिल चुके हैं। मैं इससे अधिक कुछ नहीं कह सकता क्योंकि अभी काम चल रहा है।

'रामायण' को लेकर रहमान ने कहा कि उन्होंने और जिमर ने ऐसा संगीत बनाने की कोशिश की है जो अनूठा हो और वैश्विक दर्शकों के दिल को भी छुए।

सम्मानित

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, लोकसभा सदस्य बांसुरी स्वराज ने गुरुवार को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में अटल आदर्श और नवयुग स्कूलों के 15 उत्कृष्ट शिक्षकों और शिक्षाविदों को सम्मानित किया।

आरजेडी एक महिला विरोधी पार्टी, ऐसी पार्टियों को जड़ से खत्म कर देना चाहिए : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई थी। इस मुद्दे ने राजनीतिक गलियारों में हंगामा मचा दिया है और विपक्षी दलों से इस मामले में जवाब की मांग भाजपा और एनडीए के घटक दलों द्वारा किया जा रहा है। अब इस पर भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत की भी प्रतिक्रिया आ गई है। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में ऐसे लोगों की निंदा की और महिला विरोधी पार्टियों को खत्म करने की बात कही है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इस मुद्दे पर आईएएनएस से बात करते हुए कंगना रनौत ने कहा, पीएम मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी देश की सभी महिलाओं के मुंह पर तमाचा है, यह सहन नहीं किया जा सकता। पीएम की मां, जिन्होंने न कभी कोई सरकारी सुविधा ली और पीएम की मां होने के बावजूद सादा जीवन बिताया, उनको लेकर ऐसी सोच रखना इन पार्टियों की महिलाओं को लेकर विचारधारा को दर्शाता है। सोचिए वो आम महिलाओं के बारे में क्या सोचते और विचार रखते होंगे।

उन्होंने आगे कहा, आरजेडी एक महिला विरोधी पार्टी है। उनकी

नजरों में महिलाओं की कोई इज्ज़त नहीं है। ऐसा किसी के साथ नहीं होना चाहिए। मेरे साथ अतीत में जो हुआ, मुझ पर जो टिप्पणियां की गईं, मैं आज भी उनसे उबर नहीं पाई हूं। वो मेरे लिए एक सदमा है। ऐसे लोग महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते रहते हैं। इनको महिलाएं वोट नहीं देती, इसलिए यह ऐसा करते हैं। देश की महिलाएं आज पीड़ा में हैं। सोचिए अगर ये सत्ता में आए तो महिलाओं का क्या हाल होगा। ऐसी महिला विरोधी पार्टियों को जड़ से खत्म कर देना चाहिए।

कंगना से पहले राजद नेता और बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि किसी की भी मां को अपशब्द कहना उचित नहीं है और न ही यह भारतीय संस्कारों का हिस्सा है। हम लोग इसके पक्षधर भी नहीं हैं। मां, किसी की भी हो, मां होती है। मां का नाम लेने से सुकून मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेताओं का इतिहास महिलाओं का अपमान करने और विपक्षी नेताओं पर अभद्र टिप्पणी करने से भरा रहा है।

हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे : जेनेलिया डिसूजा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा अपनी मासूमियत और सादगी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाए रखती हैं। फिल्मों के अलावा, वह अक्सर अपने फैंस से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ खास पोस्ट करती रहती हैं। गुरुवार को उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। तस्वीरों में जेनेलिया का अंदाज किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहा। उन्होंने डार्क ब्राउन कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें गोल्डन कलर की स्ट्राइप्स हैं। इस आउटफिट की खास बात उसका दुपट्टा है, जो लाइट बेज कलर का फ्लोरल प्रिंटेड है। इसमें ब्लू, रेड और ग्रीन कलर के फूलों के डिजाइन हैं। जेनेलिया ने इस लुक के साथ ट्रेडिशनल गहनों को बेहद खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। उनके गले में कुंदन चोकर हार है, कानों में भारी झुमके हैं, और हाथों में कंगनों की भरमार है।

'डू यू वाना पार्टनर' में अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर मैं कांप रही थी : श्वेता तिवारी

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है। 'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा।

इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं। तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्मांटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है। शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

शेफाली जरीवाला के अधूरे सपनों को पूरा करना ही मेरा मकसद है : पराग त्यागी

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 27 जून को निधन हो गया था। उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। उनके जाने के बाद एक्ट्रेस के पति पराग त्यागी भले ही अकेले हो गए हों, लेकिन एक्ट्रेस के लिए उनके दिल में प्यार कम नहीं हुआ है। उन्होंने एक वीडियो के जरिए अपने जीवन का मकसद बताया है। खास बात यह है कि उनके जीवन का लक्ष्य उनकी दिवंगत पत्नी शेफाली जरीवाला से जुड़ा है। दरअसल, पराग त्यागी अब एक नया यूट्यूब चैनल लेकर आ रहे हैं, जिसे उन्होंने अपनी पत्नी शेफाली जरीवाला और उनके फाउंडेशन को समर्पित किया है। इस बात की घोषणा उन्होंने इंस्टाग्राम पर की है। इसके जरिए वे शेफाली के अधूरे सपनों को पूरा करेंगे, और अब यही उनके जीवन का मकसद बन गया है।

इस पोस्ट में पराग त्यागी ने लिखा कि बहुत जल्द यूट्यूब पर परी का चैनल आ रहा है। मेरा इंस्टाग्राम और यूट्यूब उन्हें और उनके फाउंडेशन को समर्पित है। इनसे मिलने वाला कोई भी विज्ञापन और पैसा मेरी परी के फाउंडेशन को जाएगा।

हम आपके प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हैं। बस हमें प्यार करते रहिए ताकि हम मिलकर उसका सपना पूरा कर सकें। आप सभी को मेरी तरफ से प्यार। पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें वो परी यानी शेफाली की इच्छाओं के बारे में बात करते दिख रहे हैं। पराग त्यागी ने इसमें बताया है कि वो एक-एक कर शेफाली के सारे सपनों को पूरा करेंगे। पराग ने बताया कि परी का हर सपना पूरा करना अब उनकी जिंदगी का मकसद बन गया है। अंत में उन्होंने यह प्यारा वीडियो बनाने के लिए हर्ष को धन्यवाद दिया।

शेफाली जरीवाला को 2002 के मशहूर गाने 'कांटा लगा' के लिए जाना जाता है। जब उनका निधन हुआ तो वो 42 साल की थीं। शेफाली के जाने के बाद भी पराग त्यागी के दिल में उनके लिए प्यार और सम्मान कम नहीं हुआ है। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने अभिनेत्री की याद में उनकी तस्वीर वाला टैटू बनवाया था।

जानकारी

यूनेस्को महानिदेशक ऑड्रे अज़ोले (तीसरे दाएँ, पीछे) बेरूत, लेबनान में मार मिखाइल रेलवे स्टेशन को एक सांस्कृतिक स्थल में बदलने की योजना के बारे में जानकारी लेती हुईं।

'द फैमिली मैन' से पहले किसी ने नहीं सोचा था कि मैं भावशून्य चेहेरे से भी हंसा सकता हूं : मनोज बाजपेयी

मुंबई/भाषा। मनोज बाजपेयी ने शायद अपना हास्य पक्ष खोज लिया है और 'द फैमिली मैन' के बाद अब 'इंस्पेक्टर ज़ेंडे' में वह इसे पेश करने जा रहे हैं। 'इंस्पेक्टर ज़ेंडे' में बाजपेयी एक कुख्यात अपराधी के पीछे लगे मुंबई पुलिस अफसर की भूमिका निभा रहे हैं।

गंभीर किरदारों विशेषकर 'शूल, स्पेशल 26' और 'भोंसले' में निभाए गए पुलिस से जुड़े पात्रों के लिए सराहे जाने वाले मनोज बाजपेयी का कहना है कि उन्हें वह हास्य पसंद है जो जीवन से जुड़ा और वास्तविकता के करीब हो। मनोज बाजपेयी ने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, द फैमिली मैन' से पहले किसी ने नहीं सोचा था कि मैं भावशून्य चेहरे के साथ भी हंसा सकता हूं। लोगों ने इसे 'स्ट्रेट फेस ह्यूमर' नाम दिया है, लेकिन मुझे ऐसे हालातों से हास्य निकालना पसंद है जो असली हों और जिनसे लोग खुद को जोड़ सकें। उनका किरदार 'मधुकर जेंडे' एक वास्तविक पुलिस अधिकारी से प्रेरित है, जिन्होंने कुख्यात सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज को दो बार पकड़ा। फिल्म में शोभराज का नाम बदलकर 'कार्ल भोजराज' रखा गया है और इस भूमिका को जिम सर्भ ने निभाया है।

बाजपेयी ने कहा कि फिल्म में उनका किरदार अजीबोगरीब जरूर है, लेकिन उसे जानबूझकर ऐसा नहीं बनाया गया है। यह विचित्रता दृश्य की संपूर्ण स्थिति से उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा, वो कभी अपने किरदार से बाहर नहीं जाता। बात बस इतनी है कि वो मज़ेदार पल को भी पूरी गंभीरता से निभाता है। यही बात उस सीन को असरदार बनाती है और अभिनेता व किरदार के बीच दूरी नहीं आने देती, और यही सबसे मुश्किल हिस्सा होता है। लेकिन अगर आप कॉमेडी करने की कोशिश नहीं करेंगे, तो हास्य अपने आप सामने आ जाएगा।

रामगोपाल वर्मा की 1999 की फिल्म 'शूल' में पहली बार मनोज बाजपेयी ने परदे पर पुलिसकर्मी का किरदार निभाया था। जब उनसे पूछा गया कि अपने पहले प्रमुख पुलिस किरदार से लेकर अब तक उनमें क्या बदलाव आया है तो बाजपेयी ने कहा कि 'शूल' करते समय मैं एक बिल्कुल अलग अभिनेता था। 'शूल' एक ऐसे युवा

पुलिसकर्मी की कहानी थी जो अपने काम को लेकर आदर्शों से भरा हुआ था, लेकिन धीरे-धीरे वह अपने परिवार, समाज और अपने ही विभाग से निराश होता जाता है। यह कहानी थी उस संघर्ष की जिसमें नियमों का पालन करने की जिद में वह अपने करीबी लोगों को एक-एक करके खोता जाता है। उन्होंने कहा, मुझे उस किरदार में पूरी तरह डूबना पड़ा, लेकिन इसका नतीजा यह हुआ कि मैं अपना संतुलन खो बैठा। तब मुझे एहसास हुआ कि किसी किरदार को निभाने का यह सही तरीका नहीं है क्योंकि भले ही वह असर अस्थायी था लेकिन इसकी कीमत मुझे अपनी सेहत और मानसिक स्वास्थ्य से चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा, इंस्पेक्टर जेंडे, जिसका निर्देशन चिन्मय मंडलेकर ने किया है, शूल' के बिल्कुल उलट है। उन्होंने कहा, यह दुनिया के सबसे खतरनाक साइकोपैथ (उन्मादी अपराधी) में से एक की गिरफ्तारी को लेकर एक हास्यपूर्ण प्रस्तुति है। चार्ल्स शोभराज सिर्फ एक अपराधी या साइकोपैथ नहीं था वह वर्षों तक देशभर में चर्चा का विषय रहा, साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदायों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए भी एक पहेली बना रहा।

वह पॉप कल्चर का हिस्सा बन चुका था; लोगों की नज़रों में वह अपराधी से ज़्यादा एक रहस्यमयी हीरो जैसा था। चिन्मय की प्रस्तुति इसमें बड़ी दिलचस्प और काफी हास्यास्पद है, इसलिए ज्यादातर वक्त हमें मज़ा ही आया। इसमें खुद को पूरी तरह डुबो देने और अपना होश-हवास खो देने जैसी कोई गुंजाइश नहीं थी। 'इंस्पेक्टर जेंडे' में मराठी फिल्म उद्योग के चर्चित कलाकारों जैसे सचिन खेडेकर, भालचंद्र कदम, गिरीजा ओक, ओंकार राऊत और हरीश दूधड़े समेत कई अन्य अभिनेता नजर आएंगे। यह फिल्म पांच सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आईं सरगुन मेहता, लोगों से मदद की गुहार

मुंबई/एजेन्सी

उत्तर भारत में नदियां उफान पर हैं और बाढ़ ने खूब तबाही मचा रखी है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ ने अपना कहर बरपा रखा है। इसके चलते हजारों लोग विस्थापित होने को मजबूर हो गए हैं। खासकर पंजाब में बाढ़ ने जमकर जान और माल की हानि की है। इसी बीच अभिनेत्री सरगुन मेहता ने भी पंजाब के लोगों की बढ़-चढ़कर मदद करने की अपील की है। पंजाब में बाढ़ का सबसे ज्यादा कहर देखने को मिल रहा है। अमृतसर में 35 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, फिरोजपुर में 24 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य से अब तक करीब 15 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है। सरगुन मेहता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, पंजाब को अब पहले से कहीं

अधिक हमारी जरूरत है। एक दिन या एक महीने में भी सब ठीक नहीं हो जाएगा, इसमें समय लगेगा। लेकिन अगर हम कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े हों, तो हम अपनी जमीन और अपने लोगों को फिर से खड़ा होने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने आगे लिखा, हम जो कर सकते हैं, कर रहे हैं। हर योगदान, चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, बहुत बड़ा बदलाव लाता है।

अपनी इंस्टा स्टोरी में मैंने कुछ जानी-मानी संस्थाओं के बारे में बताया है जो जमीनी स्तर पर अथक परिश्रम कर रही हैं। आप भी हो सके तो हर संभव तरीके से उनका साथ देने की कोशिश करें। साथ मिलकर हम बहुत से लोगों की जिंदगी का पुनर्निर्माण कर सकते हैं। साथ मिलकर हम पंजाब में उम्मीद की किरण जगा सकते हैं। इससे पहले अभिनेत्री करीना कपूर, सोनू सूद, और सिंगर-एक्टर एमी विर्क जैसे सितारे भी लोगों से पंजाब और बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील कर चुके हैं। पंजाब में बाढ़ से हालात बहुत ही खराब हैं। इसके चलते वहां पर 7 सितंबर तक स्कूलों की छुट्टियां भी घोषित कर दी गई हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शुक्रवार | 05-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

जहां बुद्धि हारती है, वहीं श्रद्धा खिलती है : पं. विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित पंन्यास प्रवर विमल पुण्यविजयजी महाराज ने गुरुवार को समकित के '67 बोल' ग्रंथ के अंतर्गत प्रवचन में गूढ़ संदेश प्रदान करते हुए कहा कि जहां बुद्धि लड़ती है, वहां तर्क तो जीतता है,परंतु श्रद्धा हार जाती है। धर्म का वाद उसी से करना चाहिए, जो सत्यभाव से धर्मवादी हो। सच्चाई के साथ किया गया संवाद ही आत्मा को शुद्धि की ओर अग्रसर करता है। महाराजश्री ने बताया कि हमें अपनी आत्मा में संचित कर्मों को शुद्ध कर, उन्हें खाली करना है। जब तक हमारे भीतर धर्म प्रकट न हो, तब तक वाद नहीं करना चाहिए। उन्होंने आत्मारामजी महाराज की रचनाओं का महत्व समझाते हुए कहा जयणा ही परम धर्म है। जैसे मैल से मैल कटता है, वैसे ही कर्मों से कर्म कटते हैं। जीवों की जयणा का लक्ष्य हर क्षण हमारे जीवन का आधार होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण स्वरूप कहा, हम पानी में जीव है, यह जानते तो हैं, पर उसे मानते नहीं, यही भूल है।

'नैमित्तिक' प्रभावक की विवेचना करते हुए महाराजश्री ने समझाया कि अन्य मत को जीतने के लिए जो निमित्त बने, वही नैमित्तिक कहलाते हैं। इन प्रभावकों ने निमित्त रूप से जिनशासन की पताका फहराई, और वे जिनशासन में राजा के तुल्य हैं। अंत में उन्होंने संदेश दिया कि अपनी शक्ति हो तो भक्ति का योग अवश्य प्रकट होता है।

आचार्य सम्राट गुरुदेव जयमल म. सा. की जयंती समारोह आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य सम्राट गुरुदेव जयमल म. सा. की भव्य एवं दिव्य 318वीं जन्म जयंती स्वर्ण संयम आराधक गुरुदेव वीरेंद्र मुनि के पावन सान्निध्य में शुक्रवार सुबह 9.00 बजे से मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम सैदापेट बाजार रोड स्थित श्री एस एस जैन संघ स्थानक में होगा। इस दौरान सुबह 9.00 बजे से जाप एवं प्रवचन होगा। गुरुदेव आचार्य सम्राट जयमल म.सा. की 318वीं जन्म जयंती कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद गांग, मंत्री राजेंद्र लुंकड कोषाध्यक्ष कमलचंद छाजेड़ उपाध्यक्ष अशोक लूणावत नवरतनमल लोढ़ा, सह मंत्री महेंद्र लूणावत, दिनेश बोकड़िया एवं कोषाध्यक्ष नरेश छाजेड़ तैयारियों में जुट हुए है ।

चेन्नई वॉलीबॉल (डोटा) फेडरेशन का छठा वॉलीबॉल टूर्नामेंट सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीरवी स्पोर्ट्स क्लब व्यासरपाड़ी द्वारा आयोजित चेन्नई वॉलीबॉल (डोटा) फेडरेशन का छठा टूर्नामेंट सम्पन्न हुआ। इसमें वी.ओ.जी. क्लब बनी विजेता। सिरवी स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में वासुदेवजी मंदिर खेल परिसर में चेन्नई वॉलीबॉल (डोटा) फेडरेशन का छठा टूर्नामेंट हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में सिरवी स्पोर्ट्स क्लब के माणक चौधरी ने सभी टीमों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि सिरवी समाज के कालूराम का सम्मान लालाराम ने माला पहनाकर किया। वहीं फेडरेशन समिति के राजेश सुराणा, अभिनंदन बोथरा, राणाराम पटेल, कानाराम चौधरी, पिंटू राजपुरोहित और तरुण बोथरा ने आयोजक क्लब के सदस्यों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। टूर्नामेंट संयोजक माणक चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों थी जिनको दो समूहों में बाँटा गया था। प्रत्येक टीम ने 7-7 लीग मैच खेले। दोनों ग्रुप से चार-चार टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में शिवानंद स्पोर्ट्स क्लब ने मास्टर ब्लास्टर क्लब को, मरीना क्लब ने माताजी क्लब को, वी.ओ.जी. क्लब ने ब्रह्माजी स्पोर्ट्स क्लब को और राजेश्वर स्पोर्ट्स ने सिरवी स्पोर्ट्स क्लब को पराजित कर सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई। सेमीफ़ाइनल मुकाबलों में शिवानंद क्लब ने मरीना क्लब को हराया, जबकि वी.ओ.जी. क्लब ने राजेश्वर क्लब को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मैच रोमांचक रहा, जहाँ उत्साही दर्शकों से भरे मैदान में वी.ओ.जी. वॉलीबॉल क्लब ने कड़े संघर्ष के बाद उपविजेता रही शिवानंद क्लब को हराकर चैंपियन ट्रॉफी जीत ली। मरीना स्पोर्ट्स क्लब तीसरे स्थान पर और राजेश्वर स्पोर्ट्स क्लब चौथे स्थान पर रही।

आज संत संस्कृति और सत्ता संस्कृति में 36 का आंकड़ा : राष्ट्रसंत 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि प्राचीन काल में राजा महाराजा सत्ता और वैभव को ठोकर मार कर संत बन जाते थे, आज दुर्भाग्य है त्यागी तपस्वी संत सत्ता और स्वार्थ के लालच में संत जीवन को सत्ता की गलियारों में प्रवेश कर संतत्व को कलंकित और बदनाम कर रहे हैं।

आज संत संस्कृति और सत्ता संस्कृति में 36 का आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि संत परिवेश में दलगत राजनीति करना धर्म और परमात्मा के साथ धोखा है। सिद्धांतों को दफनाने के समान है। ऐसा करने पर अपने पक्ष की कमजोरी प्रकट नहीं कर सकता, और अगले पक्ष की प्रशंसा नहीं कर सकता।

मुनि कमलेश ने बताया कि संत परिवेश में चुनाव लड़ना सांतवेष का ब्लैकमेल है। संत परिवेश का त्याग करके चुनाव मैदान में आएं चुनाव आयोग को संतों के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाकर संस्कृति की रक्षा में अपना योगदान देना चाहिए। संत किसी पार्टी और दल का नहीं परंतु पूरे देश का नेतृत्व करें देश हित में काम करें और उसको मार्गदर्शन करें अहित में काम करें उस पर ब्रेक का काम करें।

जैन संत ने कहा कि जब राजनीति में धर्म का प्रवेश होगा तो राम राज्य का सपना साकार होता है,और धर्म में राजनीति आजाएगी तो रावण राज्य बनेगा। प्राचीन काल में भी राजगुरु के रूप में राजा और प्रजा का मार्गदर्शन किया है। संचालन महामंत्री डॉक्टर संजय पिंचा ने किया।

विकास महोत्सव मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां 1 सितम्बर को तेरापंथ भवन में विकास महोत्सव बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुनि श्री हिमांशु कुमार जी एवं मुनि श्री हेमंत कुमार जी का मंगल सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनि श्री हिमांशु कुमार जी ने जिनशासन के मुकुटमणि गीतिका के साथ किया।

तत्पश्चात मुनि श्री हेमंत कुमार जी ने विकास के महत्व और आचार्य श्री तुलसी के स्वप्न पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आचार्य तुलसी द्वारा आचार्य पद ग्रहण करने के दिन को ही विकास महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मुनि श्री हिमांशु कुमार जी के प्रेरक प्रवचन में आचार्य श्री तुलसी के जीवन, उनके पुरुषार्थ, श्रम और ज्ञान साधना का सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने समझाया कि आचार्य तुलसी ने सदैव परिवर्तन से अधिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने का संदेश दिया और अवरोधों को अवसर में बदलने की अद्भुत प्रेरणा दी। आचार्य श्री तुलसी की दिवास्वप्न दृष्टि, श्रमशीलता और समर्पण भावना ने उन्हें महान साधक और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनाया। उनके पुरुषार्थ से समाज में नई जागरूकता और आत्मबल का संचार हुआ। इस अवसर की जानकारी तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष दीपिका फुलफगर ने दी।

संसार को नहीं, मन को जीतने का प्रयास करे : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि इंसान संसार में बहुत कुछ जीतना चाहता है। जीतने के लिए हर संभव प्रयास भी करता रहता है लेकिन दुनिया जीतने से कुछ नहीं मिलने वाला है, संसार को जीत लिया और खुद को नहीं जीता तो सब बेकार है। मनुष्य अगर अपने मन को जीत ले तो समझो सब कुछ जीत लिया। जैसा मन सोचता है मनुष्य वैसा ही हो जाता है। मन का मतलब आत्मा से है। मन अगर भटक रहा है तो आत्मा का कल्याण कभी नहीं होगा। मन के जीते जीत है मन के हारे हार है। जैसा मनुष्य करना चाहता है वैसा वह हो जाता है। पाप के नतीजे भोगने ही पड़ते हैं। इस लिए कहते हैं जितना हो सके उतना पाप करने से बचना चाहिए। इस सांसारिक मायाजाल में फंस कर मनुष्य पाप कर रहा है। मन जब तक भटकता रहेगा तब तक मानव जीवन का कल्याण संभव नहीं होगा। वासना, मोह, माया ही संसार है। जब तक मोह है तब तक संसार है। जब तक इससे दूर नहीं होंगे कुछ हासिल होने वाला नहीं है। मानव जन्म बहुत ही दुर्लभ है। अगर मिला है तो इसको ऐसे ही व्यर्थ नहीं करना चाहिए। जो मनुष्य अपनी वासना, विकार, मोह और मन को जीत लेगा, उसको किसी और चीज की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। ऐसा करने पर मनुष्य अपने इस अनमोल भव का कल्याण संभव कर सकता है। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

शिक्षक दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जैन संघटना कुन्नूर चैप्टर द्वारा युवा मस्तिष्क को आकार देने में शिक्षकों की अमूल्य भूमिका का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुआ। इस अवसर पर 50 छात्र और अभिभावक उपस्थित थे, कार्यक्रम की शुरुआत बीजेएस महिला विंग (कुन्नूर चैप्टर) की अध्यक्ष शीतल मालू के हार्दिक स्वागत के साथ हुई। समारोह का संचालन विकास बरदिया और खुशी संचेती ने खूबसूरती से किया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम में दर्शकों को बांधे रखा। लगभग 30 छात्रों ने मंच पर अपने शिक्षकों के प्रति हार्दिक भाषणों, कविताओं और गीतों के माध्यम से आभार और प्रशंसा व्यक्त की। सभी शिक्षकों को प्रेम और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में विचारशील उपहारों से सम्मानित किया गया।

ओणम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अन्नानगर स्थित जयगोपाल गरोडिया विवेकानंद विद्यालय में ओणम का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। उत्सव की शुरुआत चेंदा मेलम से हुई, जिसके बाद भगवान विष्णु के वामन अवतार का चित्रण किया गया, जो महान सम्राट महाबली का घर वापसी का प्रतीक था। कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रार्थना गीत से हुई और छात्रों ने ओणम के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रों ने पारंपरिक गीत, पुलियाट्टम और मोहिनीअट्टम प्रस्तुत किए। दसवीं कक्षा के छात्रों ने काई कोटि काली का प्रदर्शन किया।

भगवान की भक्ति में ही सार है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा के सानिध्य में गुरुवार को आगम विधान का चौथा दिवस मनाया गया। साथ ही प्रवचन के दौरान परदेशी राजा की कहानी को आगे बढ़ाते हुए बताया कि कैसे चित सारथी राजा के सामने केसि श्रमण की प्रशंसा करते हैं। संत की प्रशंसा भगवान की प्रशंसा है, गुरु की प्रशंसा है। मुनिजी ने कहा कि क्यों इनकी प्रशंसा की जाती है? इससे क्या लाभ होता है? उनके गुणगान क्यों किए जाते हैं? उनकी स्तुति क्यों की जाती है? भक्तामर की स्तुति में लिखा है कि प्रभु आपकी स्तुति करने से, आपके गुणगान करने से, क्षणभर में पाप समाप्त हो जाते हैं। क्षण के अंदर ही पापों का नाश हो जाता है। यह भक्तामर का पाठ कोई साधारण पाठ नहीं, बल्कि चमत्कार का पाठ है। उन्होंने कहा कि भक्तामर का पाठ और नवकार मंत्र सब करते हैं चाहे वह श्रावक, श्राविका, साधु या साध्वी हों। और यह भक्तामर का पाठ चाहे मन से कर रहे हों या नहीं, मगर उसका फल अवश्य मिलता है। इससे दुख दूर होते हैं।

मुनिश्री ने आगे कहा कि यह शक्ति होती है भगवान की स्तुति करने की, भगवान की आराधना करने की, भगवान का नाम लेने की। यही शक्ति कीर्तन करने की होती है। नवकार मंत्र में भी कहा गया है, 'ऐसो पंच नमकारो, साव्वपाव्पणासनशणो' कि इन पाँच पदों में ही सारे दुख मिट जाते हैं, सारे पाप खत्म हो जाते हैं। ऐसा कोई पाप नहीं जो नष्ट न हो। मंगल के अंदर यदि प्रथम स्थान पर कोई रहेगा तो वह रहेगा पंच परमेष्ठी। नवकार मंत्र में क्या है? - भगवान की भक्ति है और संत की भक्ति है। इसके अलावा कुछ नहीं है। और भगवान का नाम, मुनि का नाम, संत का नाम लेने से सव्वपाव्पणासणो होता है। इसलिए जब-जब हमें अवसर मिले, तब-तब भगवान के गीत गाने चाहिए। यही भक्ति है। भक्त अपने आराध्य की स्तुति करता है, उनका नाम लेता है, गुणों की प्रशंसा करता है। बहुत बार करते-करते भक्त कह देता है - गुरुदेव, आप नहीं, मेरे लिए तो आप चलते-फिरते अरिहंत हो, आप भगवान हो, आप समसागर हो। मुनिजी ने स्पष्ट किया - ध्यान रखना, जो हम प्रशंसा करते हैं, स्तुति करते हैं, वह 99 प्रतिशत सब झूठ होती है। भक्त का काम है भगवान का दिल खोलकर भक्ति करना। जितना दिल से गीत गाएंगे, उतने ही अशुभ कर्म कटते जाएंगे। कभी संत या इंसान को भगवान बताना भाव मात्र है, यदि वास्तव में मान लिया तो उससे दुर्गति होती है। आज धर्म सभा में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, प्रसन्नचंद सिंघवी, प्रसन्नचंद कोठारी, सुरेन्द्र बोहरा और भी कई क्षेत्रों से श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

मैसूरु के यातायात पुलिस विभाग के सहायक उपायुक्त शिवशंकर को गत दिनों बेंगलूरु राजभवन में राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने उनकी कर्त्तव्यनिष्ठा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया था। मैसूरु पहुंचने पर जीतो मैसूरु चैप्टर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, पूर्व चैयरमैन कांतिलाल चौहान, समाजसेवी कांतिलाल पटवारी आदि ने गुरुवार को सहायक उपायुक्त शिवशंकर से मुलाकात कर उनका सम्मान किया।

भारतीय-अमेरिकी को नासा का सह-प्रशासक नियुक्त किया गया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने यहां घोषणा की कि भारतीय-अमेरिकी अमित क्षत्रिय को नासा का 'अन्वेषण-केंद्रित' नया सह-प्रशासक नियुक्त किया गया है। नासा में 20 साल सेवा दे चुके क्षत्रिय हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के अन्वेषण प्रणाली विकास मिशन निदेशालय (ईएसडीएमडी) में चंद्रमा और मंगल से जुड़े अभियान कार्यक्रमों के उप-प्रभारी थे। नासा के एक बयान में कहा कि कार्यवाहक नासा प्रशासक सीन पी डफी ने बुधवार को अमित क्षत्रिय को नासा का अन्वेषण केंद्रित नया सह-प्रशासक नियुक्त किया।

सनातन धर्म विद्यालय एसोसिएशन का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 4 सितम्बर को सनातन धर्म विद्यालय एसोसिएशन के तत्वावधान में संचालित चारों विद्यालय के.ए. बाल निकेतन, एसएसडीवी हायर सेकेन्डरी स्कूल, मोती लाल फोमरा सनातन धर्म हायर सेकेन्डरी स्कूल, एवं शक्ति पब्लिक स्कूल का संयुक्त वार्षिकोत्सव नारद गण सभा अलवारपेट चेन्नै के प्रांगण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीतो चैप्टर चेन्नै के अध्यक्ष राजेशचंदन रहे, जिनका पारम्परिक सम्मान शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अध्यक्ष आर के झॅवर एवं केके महेश्वरी ने किया, कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर ईश वंदन से हुआ। छात्रों ने आगन्तुकों का स्वागत नृत्यनाटिका की प्रस्तुति देकर किया।

अध्यक्ष आरके झंवर ने सभी का स्वागत किया। महासचिव केके माहेश्वरी ने संस्थान का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया इसी श्रृंखला में चारों विद्यालयों के प्रधानाध्यापक /प्रधानाध्यापिकाओं ने लेड के माध्यम से अपने-अपने विद्यालय के वार्षिक उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने इसके बाद चारों विद्यालय के रंगमंच से रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन करते हुए उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में विजय गोयल, विजय कुमार महेश्वरी, अशोक कुमार मूंदड़ा, राधेश्याम मूंदडा, आरसी डागा, एसएस दम्मानी, अरूण मिमानी, नेहा बिहानी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.